अपूर्वा

भाग १

अपूर्वा

भाग 1

छठी कक्षा की पाठ्यपुस्तक

(द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण के लिए)

संपादक

लालचंद राम

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
फरवरी 2002
माघ 1923

PD 5T ML

ISBN 81-7450-005-7

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्लू.सी. कैम्पस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन बनाशंकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	32, बी.टी. रोड, सुखचर
नई दिल्ली 110 016	बैंगलूर 560 085	अहमदाबाद 380 014	24 परगना 743 179

संपादन : मुन्नी लाल
उत्पादन : डी.साई. प्रसाद
सुबोध श्रीवास्तव
आवरण : अमित श्रीवास्तव
चित्र : भूषण शालिग्राम

रु. 30.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटर मार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा इम्प्रेस ऑफसेट, ई-17, सेक्टर-7, नोएडा-201301 द्वारा मुद्रित।

आमुख

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, शिक्षा विशेषतः विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के निर्धारण एवं क्रियान्वयन में सहयोग और परामर्श प्रदान करती है। राष्ट्र के समक्ष शिक्षा के मौजूदा मुख्य सरोकारों और मुद्दों को पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमों में समाहित किया जाए इसके बारे में विचार करती रही है तथा व्यापक दिशा-निर्देश भी देती रही है। परिषद् के तत्वावधान में विद्यालयी स्तर की पाठ्यचर्या तथा उस पर आधारित विभिन्न शैक्षिक विषयों के पाठ्यक्रमों तथा पाठ्यपुस्तकों आदि के निर्माण का कार्य लगभग चार दशकों से निरंतर किया जा रहा है।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986' में यह स्पष्ट सुझाव दिया गया था कि ज्ञान-विज्ञान के विकास, सामाजिक संरचना और नवीन दृष्टिकोण तथा मूल्यपरक शैक्षिक आवश्यकताओं को देखते हुए समय-समय पर पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों में यथासंभव संशोधन और परिवर्तन अवश्य किया जाए। इसी सुझाव और आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए परिषद् ने इस पाठ्यपुस्तक तथा अन्य पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया है।

भारत एक बहुभाषा-भाषी देश है। अतः बहुभाषिक संप्रेषण के संदर्भ में द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण की भूमिका विशिष्ट हो जाती है अर्थात् इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न भाषा-भाषी क्षेत्रों के बीच संपर्क स्थापित करना तथा राष्ट्रीय भावात्मक एकता की भावना पैदा करना है। द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण सामग्री का उद्देश्य और लक्ष्य स्पष्ट करना भी अब आवश्यक हो गया है। भाषा अधिगम को वास्तविक भाषा प्रयोग के शिक्षण के माध्यम से अधिक दृढ़ता प्रदान की जा सकती है, यह तथ्य आधुनिक विश्व की अन्य भाषा शिक्षण संबंधी अवधारणाओं में स्वीकार कर लिया गया है। अतः यह पुस्तक भी भाषा संरचना के सहारे भाषा-संप्रेषण के महती उद्देश्य को साधने का यत्न करती है। इसीलिए द्वितीय भाषा के रूप में किसी भी भाषा के पठन-पाठन के उद्देश्य भाषा व्यवहार की विषयरूपी प्रकृति से भी आ जुड़ते हैं। भाषा प्रयोग की स्वाभाविकता से इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए द्वितीय भाषा शिक्षण में सभी भाषा-कौशलों (सुनना-बोलना-पढ़ना- लिखना) के स्तर पर भाषा अधिगम का सुचारु विकास सुनियोजित ढंग से हो सके, इसका नियोजन पाठ्यपुस्तकों में करने की नितांत आवश्यकता है। इस दृष्टि से द्वितीय भाषा-शिक्षण के उद्देश्य, पद्धति और तकनीक को प्रथम भाषा-शिक्षण से भिन्न समझना होगा। इस समझ के साथ ही प्रस्तुत पुस्तक की योजना की गई है।

अन्य भाषा शिक्षण के अद्यतन विचार यह स्पष्ट कर चुके हैं कि द्वितीय भाषा का अध्ययन प्रारंभ करने से पहले शिक्षार्थी भाषा के चारों कौशलों के स्तर पर प्रथम भाषा में पर्याप्त क्षमता अर्जित कर चुका होता है। अतः द्वितीय भाषा शिक्षण में उसके पूर्व अर्जित स्व-भाषा ज्ञान के साथ ही इससे उत्पन्न द्वितीय भाषा अधिगम संबंधी समस्याओं को भी शैक्षिक भाषा (हिंदी) के व्यतिरेक में देखा जाना चाहिए

क्योंकि ये स्थितियाँ द्वितीय भाषा सीखने में साधक भी हो सकती हैं और बाधक भी। शिक्षार्थी मातृभाषा के साथ ही द्वितीय भाषा के व्याकरण, संरचना और सामाजिक प्रयोग को अपने भीतर निर्मित करता चलता है जिससे द्वितीय भाषा प्रयोग के समय व्याकरण और प्रयोगगत त्रुटियों का उत्पन्न होना स्वाभाविक है जिसे अभ्यास कार्य या त्रुटि-विश्लेषण कराकर सुधारा जा सकता है। इससे शिक्षार्थी के लिए द्वितीय भाषा का अधिगम और बोधन सहज हो जाएगा। आज हिंदीतर भाषा-भाषी शिक्षार्थियों के लिए द्वितीय भाषा हिंदी कोई नई भाषा नहीं रह गई है– सिनेमा, दूरदर्शन, रेडियो, पर्यटन तथा आवागमन के अवसरों के कारण हिंदी एक सार्वदेशिक भाषा (लिंग्वा फ्रैंका) और संपर्क भाषा (लिंक लैंग्वेज) के रूप में विस्तार पा चुकी है।

द्वितीय भाषा हिंदी का शिक्षार्थी हिंदी सीखने से पूर्व अपनी मातृभाषा के कई हजार शब्द, व्याकरणिक संरचनाएं और प्रयोगगत विशेषताओं को सीख चुका होता है। उसकी मातृभाषा का दृढ़ीकरण पांचवीं कक्षा तक हो चुका होता है। मातृभाषा की भाषिक संरचना, शब्दावली तथा व्यावहारिक जीवन में इनके उपयुक्त प्रयोग करने में वह समर्थ होता है। जिन भारतीय भाषाओं की ध्वनि व्यवस्था, व्याकरणिक संरचना तथा प्रयोग-नियम और शब्द भंडार हिंदी के अनुकूल है वहां द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण में सहायता मिलेगी। यह समानता लगभग सभी भारतीय भाषाओं में परिलक्षित होती है। इसलिए द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण में इनका पूरा-पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए। साथ ही मातृभाषा और द्वितीय भाषा के स्पष्ट भेदों को देखते हुए हिंदी शिक्षण सामग्री को अधिक व्यावहारिक बनाने की जरूरत भी है जिसे भिन्न-भिन्न प्रकार के अभ्यासों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है।

उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए हिंदीतर भाषा-भाषी शिक्षार्थियों के लिए द्वितीय भाषा हिंदी शिक्षण की यह पाठ्यपुस्तक बनाने की आवश्यकता महसूस की गई। छठी कक्षा के लिए 'अपूर्वा भाग-1' नामक पाठ्यपुस्तक इसी सोच का परिणाम है।

प्रस्तुत पुस्तक के निर्माण में हमें अनेक शिक्षाविदों, अनुभवी अध्यापकों तथा भाषाशास्त्रियों का सहयोग मिला है, इसके लिए मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूँ। जिन कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाएं इस पुस्तक में सम्मिलित करने की अनुमति दी है, उनके प्रति हम विशेष आभार प्रकट करते हैं।

पुस्तक में परिवर्तन, संशोधन और परिष्कार के लिए आपके सुझावों का हम स्वागत करेंगे ताकि पाठ्यपुस्तक का आगामी संस्करण हम अधिक व्यावहारिक एवं उपयोगी बना सकें।

नई दिल्ली
फरवरी 2002

जगमोहन सिंह राजपूत
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

अध्यापक बंधुओं से

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्मित राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और तदनुसार पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। इसके अनुसार छठी कक्षा में द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी सीखने-सिखाने के लिए 'अपूर्वा' पुस्तक माला का निर्माण किया गया है। यह पुस्तक सामान्य रूप से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण की ज़रूरतों को पूरा करती है। इसका उपयोग हिंदी शिक्षण से संबंधित हिंदीतर क्षेत्रों के सभी विद्यालय कर सकते हैं। तथापि यह पुस्तक हिंदीतर क्षेत्रों मे स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों की ज़रूरतों को भी पूरा करती है और विश्वास है कि यह उनके लिए हर दृष्टि से उपयोगी सिद्ध होगी।

इस पाठ्यपुस्तक के पहले दस पाठों मे लिपि शिक्षण के साथ मौखिक अभ्यास हेतु भी पाठ दिए गए है। इनमें वर्ण, मात्रा तथा शब्द निर्माण पर बल दिया गया है और मौखिक अभ्यास में आवश्यकतानुसार सरल वाक्यों में उनका प्रयोग करवाया गया है। ग्यारहवें पाठ से आगे के पाठों में हिंदी संरचना के तीनों कालों— वर्तमान, भूत तथा भविष्य को ध्यान में रखकर छोटे-छोटे पाठ तैयार किए गए है जिनमें क्रमशः हिंदी की उन संरचनाओं का अभ्यास कराया गया है जिनकी शिक्षार्थियों को हिंदी भाषा के व्यवहार के लिए ज़रूरत पड़ती है। इस पाठ्यपुस्तक की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं :

1. मात्रा और वर्ण शिक्षण का क्रम इनकी बारंबारता (फ्रीक्वेंसी) के आधार पर निर्धारित किया गया है,
2. अधिगम की दृष्टि से कठिन माने जाने वाले संयुक्त वर्णो तथा 'र' के तीनों रूपों को नवें तथा दसवें पाठ में सिखाया गया है,
3. मौखिक अभ्यास में सरल वाक्यों के आधार पर संरचनाएँ सिखाई गई हैं,
4. पुस्तक के पाठों मे वार्तालाप अधिक हैं ताकि बच्चे बलाघात, अनुतान आदि का ध्यान रखते हुए सही ढंग से हिंदी बोल सकें। इसके लिए कुछ अतिरिक्त और विशेष प्रयासों की आवश्यकता पड़ सकती है,
5. पाठ तैयार करते समय पाठों में आए पात्रों की आयु, नाते-रिश्ते और सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर-भेद का भी ध्यान रखा गया है क्योंकि मौखिक व्यवहार में हिंदी बोलते समय इनका ध्यान रखना ज़रूरी होता है। शिक्षार्थी कब, कहाँ, किससे और क्या बोल रहा है, यह जानकर वह हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सके, इसका भी ध्यान रखा गया है। अन्य भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में आज यह माना जा रहा है कि भाषा

के सामाजिक व्यवहार की जानकारी के बिना संप्रेषण स्वाभाविक नहीं हो सकता। वार्तालाप के पाठों में इन बिंदुओं को अभ्यास में भी उभारा गया है,

6. कहानियों में बच्चों की रुचि और उनकी ग्रहण क्षमता को ध्यान में रखा गया है। ये कहानियाँ शिक्षाप्रद भी है और मनोरंजक भी, ताकि शिक्षार्थी इन्हें रुचिपूर्वक आसानी से पढ़ और समझ सकें,

7. कविताओं का चयन विषय-वस्तु को ध्यान में रखकर किया गया है। प्रकृति प्रेम, राष्ट्र भावना और मानवीय संवेदना शिक्षार्थियों में विकसित हो सके, इसका पूरा ध्यान रखा गया है। कविताओं का चयन केवल याद कराने के लिए नहीं बल्कि बच्चों को उनका भाव बोध कराने और उनकी सराहना करने की क्षमता के विकास के लिए भी किया गया है। इसीलिए इन कविताओं के साथ कठिन शब्दों का अर्थ तथा पूरी कविता का भावार्थ दिया गया है,

8. अंतिम दो पाठ (26 तथा 27) रोचक चित्रकथाओं पर आधारित हैं। ये कथाएँ भारतीय लोकजीवन में रची बसी हैं। शिक्षार्थियों में स्वतंत्र मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के लिए चित्रों के माध्यम से उन्हीं भाषिक संरचनाओं में बाँधकर प्रस्तुत किया गया है जिनसे शिक्षार्थी पूर्व पाठों में परिचित हो चुके हैं,

9. आज द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण में शिक्षार्थियों की व्यावहारिक दक्षता भी महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बात को ध्यान में रखकर इस संकलन में पत्र लेखन को भी शामिल किया गया है। सामान्य स्थितियों में पत्र लिखना, पत्र लेखन की औपचारिकताओं का निर्वाह करना और लिफ़ाफ़े पर सही ढंग से पता आदि लिखना शिक्षार्थी सीख सकें, यह इस पाठ का उद्देश्य है,

10. सभी पाठों की संरचनाएँ पूर्व निश्चित और अभिक्रमित हैं। जिन पाठों में जो संरचनाएँ शिक्षण बिंदु के रूप में प्रमुखतः निर्धारित की गई है, उन्हें ही पाठ में स्वाभाविक ढंग से उभारने का प्रयत्न किया गया है। इन्हीं पाठों में यह भी प्रयत्न किया गया है कि मूल संरचनाओं के साथ जो अन्य संरचनाएँ स्वाभाविक रूप से आती हैं, उन्हें आने दिया जाए ताकि पाठ का प्रवाह और उसकी रोचकता अप्रभावित रहे,

11. इस पुस्तक में पाठवार अभ्यास शिक्षार्थियों में हिंदी भाषा की व्यावहारिक दक्षता को विकसित करने की दृष्टि से दिए गए हैं। इसमें यह भी ध्यान रखा गया है कि अभ्यास छात्र-छात्राओं के जीवन अनुभवों से जुड़े हुए हों और प्रत्येक अभ्यास में शिक्षार्थी अपने को भी सहभागी समझें,

12. इस सहभागिता को बढ़ाने के लिए अभ्यासों में घर-परिवार, विद्यालय, मित्र, बाजार, खेल

का मैदान, बगीचा आदि को परिवेश के रूप में रखा गया है जिससे कि हिंदी भाषा का सहज स्वाभाविक रूप अपनी व्यावहारिक विशेषताओं के साथ पाठों में सिमट सके। इस प्रकार ये अभ्यास मात्र व्याकरणिक भाषा-अभ्यास न होकर शिक्षार्थी की हिंदी भाषा संबंधी संप्रेषणपरक क्षमता के विकास में भी सहायक होंगे,

13. अभ्यासों में उच्चारण और भाषाबोध पर विशेष बल दिया गया है। अपेक्षाकृत संयुक्ताक्षरीय व्यवस्था वाले शब्दों को उच्चारण के लिए और बोध के स्तर पर प्रयोग होने वाली विशेष शब्दावली और अभिव्यक्तियों को क्रमशः 'पहचानो और बोलो', 'पढ़ो और समझो' तथा 'पढ़ो और बोलो' शीर्षकों के अंतर्गत रखा गया है। हिंदी में संरचनागत रूपांतरण के नियम भी यथास्थान आरेख/चार्ट के रूप में दिए गए है जो एक ही दृष्टि में पाठ की मूल संरचना की सभी परिवर्तनीय संभावनाओं को उजागर कर देते हैं,

14. ग्यारहवें पाठ से आगे भाषिक अभ्यासों पर अधिक बल दिया गया है, इसके दो कारण हैं : पहला यह कि हिंदी संरचनाओं के जो मूल शिक्षण बिंदु पाठ में निर्धारित किए गए है उनका पूरा परिचय शिक्षार्थी को मिल सके; दूसरा यह है कि संरचनाओं में परस्पर परिवर्तन करके शिक्षार्थी हिंदी भाषा का प्रयोग भाषिक दक्षता के साथ कर सके। इस कार्य में किसी भी प्रकार की व्याकरणिक शब्दावली के प्रयोग से बचा गया है,

15. लेखन अभ्यासों में लेखन को महत्त्व दिया गया है। अभ्यास के नमूने देकर, रिक्त स्थान देकर, मिलान करने की स्थितियाँ देकर उन्हें पूरा करने के संकेत दिए गए हैं,

16. इन भाषिक अभ्यासों में शिक्षार्थियों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के लिए उनके अनुभवों और उनके आसपास की चीजों को केंद्र में रखकर 'प्रश्नोत्तर', 'हाँ-नही में उत्तर' जैसे शीर्षक रखकर उनकी सहभागिता बढ़ाई गई है ताकि शिक्षार्थी आसानी के साथ अपने घर-परिवार आदि की स्थितियों में भी इन संरचनाओं का व्यावहारिक प्रयोग कर सके,

17. चिंतन योग्यता के विकास के लिए अभ्यास में बोध प्रश्नों को भी महत्त्व दिया गया है, किंतु बोध प्रश्न इस प्रकार के हैं कि शिक्षार्थी उनका उत्तर एक वाक्य में दे सके क्योंकि इनका उद्देश्य शिक्षार्थी में पूरे पाठ के बोध को विकसित करना है न कि पाठ के किसी एक बिंदु को,

18. प्रत्येक पाठ के साथ महत्त्वपूर्ण शिक्षण संकेत भी दिए गए हैं जिनकी सहायता से शिक्षक हिंदी भाषा के भाषिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य को उभारते हुए शिक्षार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास करा सकेंगे। इसके साथ ही इन शिक्षण संकेतों में वह तकनीक भी अपनाने के संकेत दिए गए हैं जिनसे शिक्षार्थी को अधिक से अधिक भाषिक व्यवहार की गतिविधियों में शामिल किया जा सके। शिक्षार्थी के भाषिक व्यवहार के दृढ़ीकरण

के लिए यह जरूरी है कि भाषा की संरचना के साथ-साथ वे अपने स्तरानुकूल जीवन जगत के अनुभवों को जोड़कर परस्पर बातचीत कर सकें और यथासंभव लिखकर अभिव्यक्त कर सकें.

19. उक्त लक्ष्यों की पूर्ति के लिए इन अभ्यासों में अनुकार्य का प्रावधान भी किया गया है ताकि कक्षा के बाहर की अन्यान्य जीवंत परिस्थितियों में हिंदी भाषा का प्रयोग शिक्षार्थी बिना किसी मानसिक दबाव के हँसते-खेलते कर सकें और हिंदी भाषा अधिगम एक स्वाभाविक प्रक्रिया के रूप में शिक्षार्थी को आनंद प्रदान कर सके। इसके लिए पाठ्यपुस्तक में संदर्भ से जुड़े तथा स्थितियों को स्पष्ट करने वाले आकर्षक चित्र अधिकाधिक संख्या में दिए गए हैं.

20. आशा है हिंदी भाषा के समग्र अधिगम और व्यावहारिक दक्षता का विस्तार करने वाली यह पाठ्यपुस्तक हिंदी को द्वितीय भाषा के रूप में उपयोग करने वाले अध्यापक बंधुओं, शिक्षार्थियों और विद्यालयों के लिए आदर्श सिद्ध होगी। अध्यापक बंधुओं से विशेष अनुरोध है कि इस पाठ्यपुस्तक का प्रयोग करते समय उनके समक्ष जो भी कठिनाइयाँ आएं अथवा इस पाठ्यपुस्तक के संबंध में वे कोई अन्य सुझाव देना चाहें तो हम उनका स्वागत करेंगे।

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

लालचंद राम डॉ. सुरेश पांडेय डॉ. चंद्रा सदायत

सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

पांडुलिपि समीक्षा-संशोधन कार्यगोष्ठी के सदस्य

1. प्रो. कैलाश चंद्र भाटिया
पूर्व प्रोफेसर, लालबहादुर शास्त्री
प्रशासन अकादमी, मंसूरी (उ. प्र.)
2. प्रो. वी. रा. जगन्नाथन
निदेशक, मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली.
3. प्रो. कृष्ण कुमार गोस्वामी
प्रोफेसर, केंद्रीय हिंदी संस्थान
नई दिल्ली.
4. प्रो. दिलीप सिंह
प्रोफ़ेसर एवं अध्यक्ष, उच्च शिक्षा शोध संस्थान
दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, धारवाड़, (कर्नाटक)
5. डॉ. नरेंद्र व्यास
पूर्व-निदेशक
केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली.
6. डॉ. हीरालाल बाछोतिया, रीडर एवं पूर्व प्रभारी
हिंदी प्रकोष्ठ, सा.वि.मा.शि.वि.
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली.
7. प्रो. शारदा भसीन
पूर्व प्रभारी, केंद्रीय हिंदी संस्थान
नई दिल्ली
8. डॉ. एच. बालसुब्रमण्यम
पूर्व सहायक निदेशक,
केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली.
9. डॉ. पूरन सहगल
निदेशक, मालव लोक संस्कृति अनुष्ठान
कृष्णायन/ उषागंज, मनासा (मध्य प्रदेश)
10. डॉ. उमेश वाजपेयी
उप निदेशक (शैक्षिक)
जवाहर नवोदय विद्यालय समिति, नई दिल्ली.
11. श्री राजकुमार निगम
पूर्व सहायक शिक्षा अधिकारी
केंद्रीय हिंदी निदेशालय, नई दिल्ली.
12. डॉ. रूपेंद्र सिंह
पी.जी.टी (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय
मेडक (आंध्र प्रदेश)
13. डॉ. एम. भास्कर शर्मा
टी.जी.टी. (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय,
मामनूर, वारंगल (आंध्र प्रदेश)
14. डॉ. बी. एम. शिवशंकर मूर्ति
टी.जी.टी. (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय
क्यारकोप्पा रोड, धारवाड़ (कर्नाटक)
15. श्री पी. जयरंगप्पा
जवाहर नवोदय विद्यालय
डोडा बल्लापुरा, बंगलौर (कर्नाटक)
16. श्रीमती सुलेखा बेगम
पी.जी.टी. (हिंदी), जवाहर नवोदय विद्यालय,
मलंपुझा, पलकड़ जिला, (केरल)

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ:

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो० क० गांधी

विषय-सूची

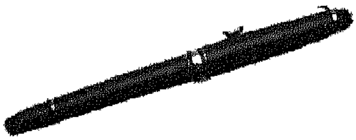
पहला पाठ

कलम

शिक्षण बिंदु

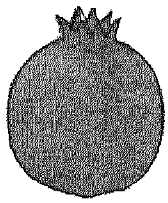
क	ल	म	न	र	अ	आ	ा

1. **कलम**



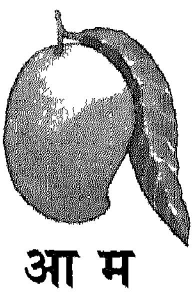
क ल म

अनार



अ ना र

आम



आ म

मकान



म का न

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/ फ्लैश कार्ड पर **कलम** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
* इसी तरह **अनार, आम** और **मकान** के चित्र दिखाएँ, वर्णों की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

क	ल	म	न	र	अ
का	ला	मा	ना	रा	आ

3. सुनो और पढ़ो

कल	कमल	लाल	काला	नाम
मकान	राम	रमा	कमला	कमरा

4. लिखो

क	म	ल	न	र	अ	आ
क	का	म	मा	न	ना	ला

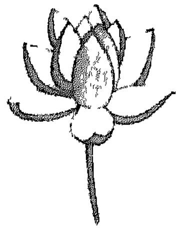
शिक्षण संकेत

* **पहचानो और बोलो** के अंतर्गत आए वर्णों की पहचान करवाएँ और विद्यार्थियों से अलग- अलग और फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके लिए अध्यापक वर्णों के फ्लैश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
* अध्यापक **खेल विधि** का प्रयोग कर सकते है, जहाँ हर विद्यार्थी के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और वे क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएँगे।
* **सुनो और पढ़ो** के अंतर्गत श्यामपट्ट/फ्लैश कार्ड पर लिखे शब्दों को दिखाते हुए पहले एक साथ फिर अलग-अलग विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
* **लिखो** के अंतर्गत दिए गए वर्णों को सही शब्दक्रम में लिखना सिखाएँ तथा विद्यार्थियों को अपनी नोटबुक में लिखने के लिए कहें।

5. **इनके नाम लिखो**



ना......



कम.....



का......

योग्यता विस्तार

* **शिक्षण बिंदु** वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी बारी से उनकी पहचान करवाएँ और बुलवाएँ।
* विद्यार्थियों **क ल म न र अ आ ा** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ।

शिक्षण संकेत

* सोपान पाँच में दिए गए चित्रों को पहचानकर विद्यार्थी उनका नाम बोलें और छूटा हुआ वर्ण खाली जगह में लिखें । विद्यार्थियों की गति के अनुसार अध्यापक कुछ और शब्द भी अभ्यास के लिए दे सकते हैं।

4

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु



1. अध्यापक चित्र दिखाते हुए वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

यह कलम है।

यह आम है।

यह अनार है।...आदि।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

अध्यापक : यह कलम है।

विद्यार्थी : यह कलम है।

अध्यापक : यह आम है।

विद्यार्थी : यह आम है।

अध्यापक : यह अनार है।

विद्यार्थी : यह अनार है।... आदि।

3. इसी प्रकार अध्यापक कुछ अन्य वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए वाक्यों का अभ्यास करवाएँ, जैसे

यह नाक है।

यह हाथ है।

यह कान है।.... आदि।

4. **अब अध्यापक चार-पाँच विद्यार्थियों से विभिन्न वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए इसी तरह वाक्य बुलवाएँ। विद्यार्थी भी वस्तुओं को छूते हुए/उनकी तरफ संकेत करते हुए वाक्य बोलें, जैसे**

   यह नाक है। (उँगली से दिखाते हुए)
   यह कमल है। (चित्र द्वारा)
   यह कलम है। (चित्र द्वारा)...आदि।

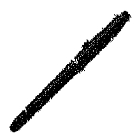
प्रश्नोत्तर अभ्यास

5. **वस्तु-चित्रों को दिखाते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें**

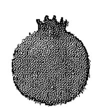
नमूना

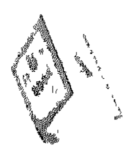
अध्यापक : यह क्या है ?

⟹ विद्यार्थी : यह कलम है।



अध्यापक : यह क्या है? विद्यार्थी : यह  है।

अध्यापक : यह क्या है? विद्यार्थी : यह  है।

अध्यापक : यह क्या है? विद्यार्थी : यह  है।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन शब्दों को बोलना और लिखना सीख लिया है, अध्यापक उनका प्रयोग करते हुए **यह. है** की संरचना में वाक्य बोलना सिखाएँ।
* यह अभ्यास मौखिक ढंग से ही करवाने के लिए है। इसके बाद इसका पठन-अभ्यास भी किया जा सकता है।

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी इसी तरह कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए आपस में प्रश्नोत्तर करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में इस प्रकार के संवाद के लिए प्रेरित करें, जैसे :
    1. प्रत्यक्ष रूप से खेल के मैदान में/ बाग-बगीचे की परिस्थितियों में आदि।
    2. दुकान का चित्र और जानवरों का चार्ट भी अभ्यास के लिए कक्षा में प्रयोग किए जा सकते हैं।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इस अभ्यास को सहज बनाने के लिए अध्यापक को कक्षा में उपलब्ध प्रत्यक्ष वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए। अध्यापक पांच-छह शब्दों का प्रयोग अवश्य करें, जैसे **घड़ी, मेज, कुर्सी, दरवाजा, पंखा** आदि। और अधिक अभ्यास कराने के लिए अध्यापक अन्य परिचित शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं, जैसे : **ट्यूबलाइट, बल्ब, डस्टर, चाक** आदि। इन शब्दों के लिखित रूप से विद्यार्थी अपरिचित है इसलिए इनका लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएँ।
* इसी संदर्भ में शरीर के अंगों के नामों का भी अभ्यास कराएँ, जैसे : **नाक, कान, हाथ, आँख, पैर** आदि। **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण:** जब विद्यार्थी बोलें, तब उनके उच्चारण और मातृभाषा प्रभावित शब्द प्रयोग आदि के संदर्भ में अध्यापक उनकी गलतियों पर उन्हें बार-बार न टोकें। उनकी सहज अभिव्यक्ति पर उनकी प्रशंसा करते हुए अपनी ओर से उच्चारण आदि का मानक रूप स्वयं बार-बार बोलते रहें।

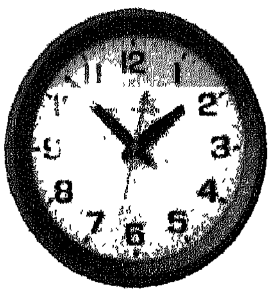
दूसरा पाठ

जहाज़

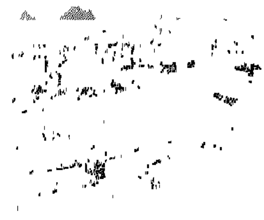
शिक्षण बिंदु

घ	ड़	व	स	द	ज	ज़	ई	ी

1. **घड़ी** **नाव** **सड़क**

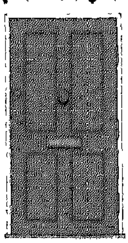


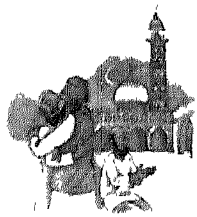




घ ड़ी **ना व** **स ड़ क**

दरवाज़ा **ईद** **जहाज़**







द र वा ज़ा **ई द** **ज हा ज़**

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लैश कार्ड पर **घड़ी** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बार-बार बुलवाएँ।
* इसी तरह **नाव**, **सड़क**, **दरवाज़ा** और **ईद** में आए वर्णों की पहचान करवाएँ और बार–बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

स	ड़	घ	र	द	व	ई	मा	ल	ज	ज़
व	वा	वी	स	सी	र	रा	री	दी	जा	ज़ा
क	का	की	ल	ला	ली	न	ना	नी	जी	ज़ी

3. सुनो और पढ़ो

सन	साल	साड़ी	रसम	सारस	सड़क
जल	ज़ाल	ज़मीन	आज	अनाज	आदमी
ईसा	दाम	दान	दया	दाना	दवाई
वन	वानर	वीर	नाव	ज़रा	घर
घी	घड़ी	लड़का	लड़की	नीम	नीर
कील	खील	दीवार	दीवाली	आम	माला

4. लिखो

व	द	स	ज	घ	ड़	ई	ज़
दी	सी	जी	घी	नी	की	भी	ज़ी

शिक्षण संकेत

* **पहचानो और बोलो** के अन्तर्गत आए वर्णों की पहचान करवाएं और सभी विद्यार्थियों से पहले अलग अलग और फिर एक साथ बुलवाएं। इसके लिए वर्णों के फ्लेश कार्ड का प्रयोग कर सकते हैं।
* अध्यापक **खेल विधि** का प्रयोग कर सकते है जहाँ हर विद्यार्थी के पास एक-एक वर्ण का कार्ड होगा और व क्रम में खड़े होकर शब्द बनाएंगे।
* **सुनो और पढ़ो** क अंतर्गत फ्लेश कार्डो/श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों को दिखाते हुए पहले अलग-अलग फिर एक साथ विद्यार्थियों से बुलवाएं। इसके बाद कुछ विद्यार्थियों से शब्दों का वाचन भी करवाएं।
* **लिखो** के अंतर्गत अध्यापक दिए गए वर्णों को सही शब्दक्रम मे लिखना सिखाएं और विद्यार्थियों से अपनी नोटबुक मे लिखने के लिए कहें।

5. रेखा खींच कर शब्द को सही चित्र से मिलाओ



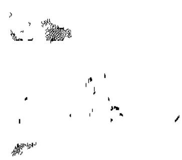
वानर



सारस



नाव



साड़ी

योग्यता विस्तार

* **शिक्षण बिंदु** वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से इनकी पहचान करवाएँ। मात्राओं से बनने वाले शब्दों का अभ्यास भी करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **घ ड़ स ज द व ई ी लिपि संकेतों** की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से इन्हें बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे : **वज़न, वानर, दाना, दवाई** आदि।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

यह क्या है?
यह घड़ी है।



1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

अध्यापक : (समीप की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए)
यह क्या है ?
यह कलम है।
यह लड़का है।...आदि।

अध्यापक : (दूर की वस्तु की ओर संकेत करते हुए)
वह क्या है ?
वह घड़ी है।...आदि।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

अध्यापक : यह दीवार है।	विद्यार्थी : यह दीवार है।
अध्यापक : वह घड़ी है।	विद्यार्थी : वह घड़ी है।
अध्यापक : यह अमर है।	विद्यार्थी : यह अमर है।
अध्यापक : वह रमा है।	विद्यार्थी : वह रमा है।...आदि।

3. इसी प्रकार अध्यापक कक्षा में पास की और दूर की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए यह और वह का अभ्यास करवाएँ, जैसे

यह मेज़ है।
वह खिड़की है।
यह चाक है।..... आदि।

शिक्षण संकेत

* वस्तु के पास खड़े होकर **यह.... है** का प्रयोग करें और उस वस्तु से दूर होकर उसी वस्तु की ओर संकेत करते हुए **वह... है** की संरचना का अभ्यास कराएँ। इस अभ्यास में विद्यार्थियों को अधिकाधिक सक्रियतापूर्वक शामिल करें।

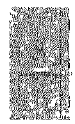
4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

पास की तथा दूर की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

नमूना



अध्यापक : यह क्या है?
विद्यार्थी : यह घड़ी है।
अध्यापक : वह क्या है?
विद्यार्थी : वह दरवाजा है।



अध्यापक : यह क्या है? विद्यार्थी : यह घड़ी है।
अध्यापक : वह क्या है? विद्यार्थी : वह सड़क है।
अध्यापक : यह क्या है? विद्यार्थी : यह कुरसी है।
अध्यापक : वह क्या है? विद्यार्थी : वह दीवार है......आदि।

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी स्वयं भी इसी तरह कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए आपस में प्रश्नोत्तर करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें, जैसे :
  1. प्रत्यक्ष रूप से खेल के मैदान में तथा बाग-बगीचे के संदर्भ में बातचीत।
  2. बस स्टैंड की तस्वीर और पक्षियों के चार्ट भी प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इस अभ्यास को सहज बनाने के लिए अध्यापकों को कक्षा में प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध वस्तुओं के बारे में बातचीत करना चाहिए। अध्यापक पाँच-छह शब्दो का प्रयोग अवश्य करें, जैसे : **घड़ी, मेज़, खिड़की** आदि। विस्तृत व्यवहार के लिए विद्यार्थी अन्य परिचित शब्दों का भी प्रयोग कर सकते है। जिन शब्दो के लिखित रूप से विद्यार्थी अभी परिचित नहीं हैं, उनका लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएं।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण :** अध्यापक इसका अभ्यास पिछले पाठ में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार करवाएँ।

तीसरा पाठ

खरगोश

शिक्षण बिंदु

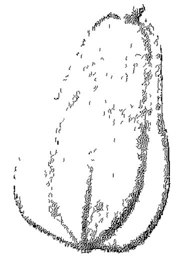
[illegible]

1. **गाय**



गा य

पपीता



प पी ता

ओखली



ओ ख ली

खरगोश



ख र गो श

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट पर **गाय** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
* इसी तरह **पपीता, ओखली, खरगोश** में आए वर्णों एवं मात्राओं की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ग	य	प	त	ओ	ख	श
ग	गा	गी	गो	प	पा	पी
त	ता	ती	तो	श	शी	शो

3. सुनो और पढ़ो

गला	गाल	याद	योग	नया	कोयल	कोयला	पलक
पास	पीला	पालक	पालकी	पीपल	आय	माला	ताला
तोता	तीन	ताई	तीसरा	जोकर	आओ	जाओ	आदत
खाना	कोई	दोसा	मोर	सोना	तोता	शोर	रोटी
समोसा	शाल	शाखा	शीशा	कलश	राशन	मशाल	मसाला

4. लिखो

य	प	त	ओ	ख	श	स	व	द
गो	यो	पो	तो	खा	शा	का	की	को
गला	गाल	कोयल	कोयला	पालक	पालकी	ओस	गमला	
खान	खाद	शाखा	शीशा	तना	तीन	नानी		

शिक्षण संकेत

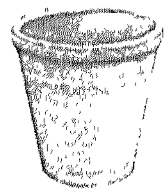
* **पहचानो और बोलो** के अंतर्गत आए वर्णों की पहचान करवाएँ और विद्यार्थियों से अलग-अलग फिर एक साथ बुलवाएँ। इसके लिए फ्लैश कार्डों का प्रयोग कर सकते हैं।
* अध्यापक **खेल विधि** का प्रयोग करते हुए पिछले पाठों के अनुसार फ्लैश कार्डों की सहायता से शब्द बनाना सिखाएँ।
* **सुनो और पढ़ो** तथा **लिखो** के अंतर्गत एक समान लगने वाले शब्दों के उच्चारण पर ध्यान दें तथा उनके अंतर को स्पष्ट करें, जैसे : **गला-गाल, कोयल-कोयला, पालक-पालकी** आदि।

5. रेखा खींचकर शब्द को सही चित्र से मिलाओ

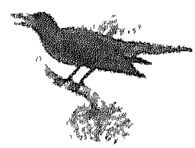
कोयल



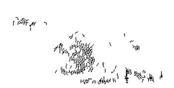
समोसा



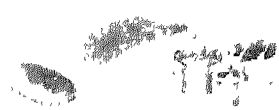
दोसा



पालकी



गमला



योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **ग, ख, य, प, त, ओ, श, ो** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे: **गाना, पवन** आदि।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

[illegible]

[illegible]

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

अध्यापक : (समीप के व्यक्ति के लिए)

1. यह कौन है?
   यह गोपाल है।
2. यह कौन है?
   यह रेखा है।... आदि।

अध्यापक : (दूर के व्यक्ति के लिए)

1. वह कौन है?
   वह जीनी है।
2. वह कौन है?
   वह मोहन है।... आदि।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

अध्यापक	:	यह कौन है?	विद्यार्थी	:	यह कौन है?
अध्यापक	:	यह रमा है।	विद्यार्थी	:	यह रमा है।
अध्यापक	:	वह कौन है?	विद्यार्थी	:	वह कौन है?
अध्यापक	:	वह लता है।	विद्यार्थी	:	वह लता है।...आदि।

शिक्षण संकेत

* कक्षा में समीप के विद्यार्थी के लिए **यह कौन है** तथा दूर के विद्यार्थी के लिए **वह कौन है** की संरचना का जीवंत/यथार्थ परिस्थितियों में अभ्यास करवाएँ।

3. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग छात्र-छात्राओं की ओर संकेत करते हुए प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक : यह कौन है? विद्यार्थी : यह जीनी है।

अध्यापक : वह कौन है? विद्यार्थी : वह अलीम है।

अध्यापक : यह कौन है? विद्यार्थी : यह आशा है।

अध्यापक : वह कौन है? विद्यार्थी : वह लता है।... आदि।

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी इसी तरह कक्षा के दूसरे विद्यार्थियों की ओर संकेत करते हुए आपस में **यह कौन है, वह कौन है** की संरचना का अभ्यास करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें, जैसेः विद्यालय के गेट पर या घर के बाहर किसी अपरिचित व्यक्ति से मिलने पर- आप कौन हैं? आप का क्या नाम है? आपको किससे मिलना है? आदि।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** अध्यापक सोपान 3 के अंतर्गत विद्यार्थियों के नामों का अवश्य प्रयोग करें। और अधिक अभ्यास कराने के लिए अध्यापक अन्य परिचित नामों का भी प्रयोग कर सकते हैं किंतु इन शब्दों के लिखित रूप से विद्यार्थी परिचित नहीं है इसलिए इनका लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएं।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण :** अध्यापक विद्यार्थियों के शब्द/वाक्य उच्चारण में अनुतान, बलाघात आदि पर अवश्य ध्यान दें किंतु बार-बार बोलकर कक्षा तथा कक्षा से बाहर के रोचक प्रसंगों में इनका अभ्यास करवाएँ।

चौथा पाठ

किताब

शिक्षण बिंदु

ट इ ि ब ह थ च

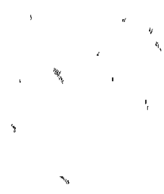
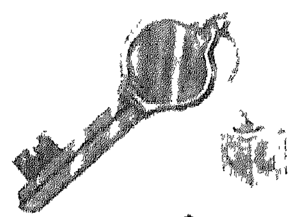
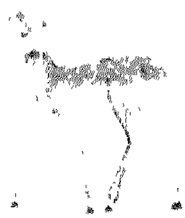
1. **टमाटर** **इमली** **किताब**





ट मा ट र **इ म ली** **कि ता ब**

हाथ **चाबी** **हिरन**

हा थ **चा बी** **हि र न**

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट पर **टमाटर** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ। इसी तरह **इमली**, **किताब**, **हाथ**, **चाबी** और **हिरन** में आए वर्णों एवं मात्राओं का परिचय कराते हुए शब्दों को बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ट इ त व ह थ च स प म

ट टा टि टी टो च चा चि ची चो

थ था थि थी थो ब बा बि बी बो

3. सुनो और पढ़ो

टब टाट टीका टोपी बटन कलम हरा हार इनाम

दिन दीन किला कील दिशा खिड़की सिलाई मलाई शादी

सादी बस बाल बाघ बीस बोली बिजली बगीचा महीना

हल हाल हीरा हाथ हाथी हिरन शहर बहन पहाड़

थन थाली मोड़ जोड़ साथी सारथी सिपाही गिलहरी चना

चाक चाट चटाई चरखा चारपाई

4. लिखो

ट इ द ब ह थ च ल ज

त ता ति ती तो था थी पी ख

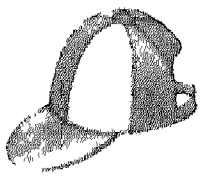
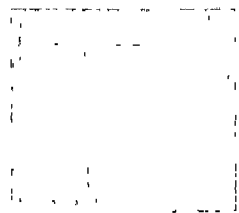
टीका टोपी इनाम टिकट खिड़की खिचड़ी मलाई

बाघ बगीचा हार हिरन गिलहरी चारपाई लड़ाई

शिक्षण संकेत

* **पहचानो और बोलो** के अंतर्गत आए वर्णों और मात्राओं की पहचान करवाएँ और एक साथ बुलवाएँ।
* **सुनो और पढ़ो** के अंतर्गत एक समान लगने वाले शब्दों के उच्चारण पर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए बार-बार बोलें तथा उनके अंतर को स्वयं बोलकर तथा विद्यार्थियों से बुलवाकर स्पष्ट करें, जैसे: **हरा-हार, हल-हाल** आदि।
* **लिखो** के अंतर्गत पहले बिना मात्रा के वर्णों/शब्दों को पहले अन्विति के साथ फिर बिना अन्विति के साथ लिखवाएं और बार-बार उच्चारण करवाए।

5. इनके नाम लिखो

योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से उनकी पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **ट, इ, ब, ह, थ, च, ि** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर भी लिखवाएँ, जैसे: **टिकट, टब** आदि।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

क्या			
जी हाँ	जी नहीं	नहीं	भी

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

क्या यह चाबी है? (चाबी दिखाकर)

जी हाँ, यह चाबी है।

जी नहीं, यह चाबी नहीं है। (कलम दिखाते हुए)... आदि।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

अध्यापक : क्या यह घड़ी है? विद्यार्थी : क्या यह घड़ी है?

अध्यापक : यह घड़ी है? विद्यार्थी : यह घड़ी है ?

अध्यापक : जी हाँ, यह घड़ी है। (घड़ी दिखाकर)

विद्यार्थी : जी हाँ, यह घड़ी है।

अध्यापक : जी नहीं, यह घड़ी नहीं है। (कलम दिखाते हुए)

विद्यार्थी : जी नहीं, यह घड़ी नहीं है।....आदि।

3. इसी प्रकार अध्यापक कक्षा की कुछ अन्य वस्तुओं खिड़की, दरवाज़ा, किताब, दीवार आदि की ओर संकेत करते हुए वाक्यों में 'जी हाँ', 'जी नहीं', का अभ्यास जारी रखें, जैसे

क्या वह (दरवाज़ा) है? जी हाँ, वह दरवाज़ा है।

जी नहीं, वह दरवाज़ा नहीं है। वह खिड़की है।.......आदि।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन शब्दों का बोलना और लिखना सीख लिया है उनका प्रयोग करते हुए **क्या, जी हाँ, जी नहीं, नहीं** का प्रयोग करते हुए वाक्य बोलना सिखाएँ।
* 'क्या' प्रश्न वाक्यों में प्रश्न चिह्न हटाते हुए केवल अनुतान से प्रश्न वाक्य करना भी सिखाएँ।

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उत्तर दें

अध्यापक : क्या यह हाथ है?

विद्यार्थी : जी हाँ, यह हाथ है।

अध्यापक : क्या यह भी हाथ है? (दूसरा हाथ दिखाकर)

विद्यार्थी : जी हाँ, यह भी हाथ है।

अध्यापक : क्या वह दरवाजा है? (खिड़की की ओर संकेत करते हुए)

विद्यार्थी : जी नहीं, वह दरवाजा नहीं है। वह खिड़की है।... आदि।

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी इसी तरह कक्षा की वस्तुओं/विद्यार्थियों के नामों की ओर संकेत करते हुए आपस में प्रश्नोत्तर करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें।
    1. प्रत्यक्ष रूप से खेल के मैदान में/बाजार की परिस्थितियों में।
    2. खिलौनों की दुकान की तस्वीर और फलों के चार्ट भी अभ्यास के लिए प्रयोग में लाए जा सकते हैं।

शिक्षण संकेत

* सोपान 4 के अभ्यास के लिए अध्यापक को कक्षा में उपलब्ध वस्तुओं का प्रयोग करना चाहिए। अध्यापक 5-6 अन्य ज्ञात शब्दों का प्रयोग अवश्य करें, जैसे, **चाबी, बटन, खिड़की** आदि। और अधिक अभ्यास कराने के लिए अध्यापक अन्य परिचित शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं, जैसे : **बोर्ड, वाच, रबड़, फ़ोटो**...आदि। इन शब्दों के लिखित रूप से विद्यार्थी अभी परिचित नहीं हैं इसलिए इनका लिखित रूप विद्यार्थियों के सामने न लाएं।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण** पिछले पाठों के शिक्षण संकेतों के अनुसार करें।

पाँचवाँ पाठ

झंडा

शिक्षण बिंदु

| फ | फ़ | ऐ | ै | ड | झ | ं | ँ |

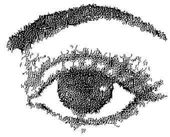
1.

फल



फ ल

आँख



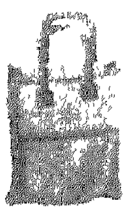
आँ ख

ऐनक



ऐ न क

थैला



थै ला

डाकिया



डा कि या

झंडा



झं डा

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लेश कार्ड पर **फल** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
* इसी तरह **आँख, ऐनक, थैला, डाकिया** और **झंडा** में आए वर्णों की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

फ ऐ ड झ ड़ ए स क इ द म प

फ फा फि फी फो फै ड डा डि डी डो डै

3. सुनो और पढ़ो

फ़न फिर फ़ीस सफाई फ़ाटक फावड़ा फ़ोटो

माँ चाँद गाँव यहाँ वहाँ है हैं

ऐसा पैसा बेल बैल सैर शेर सैलाब

अंडा हँस हंस बंदर शंख कंघा हिंदी

झटपट झाड़ी झोला झाँकी झरना झोपड़ी

4. लिखो

फ ऐ ड झ र स म च

फ़न सफाई माँ हँस हंस बंदर झरना झोला

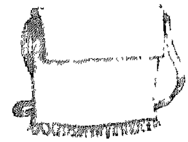
समान आसमान पीला पपीता नीला पैसा बैल जैसा

शिक्षण संकेत

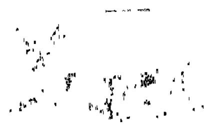
* **पहचानो और बोलो** के अंतर्गत आए वर्णों और मात्राओं की पहचान करवाएँ और एक साथ दुहराएँ।
* **सुनो और पढ़ो** के अंतर्गत एक समान लगने वाले शब्दों के उच्चारण पर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट करते हुए बार-बार बोलें तथा उनके अंतर को स्वयं बोलकर तथा विद्यार्थियों से बुलवाकर स्पष्ट करें।
* **लिखो** के अंतर्गत बिना मात्रा के वर्णों/शब्दों को पहले अन्विति के साथ फिर बिना अन्विति के साथ लिखवाएँ और बार-बार उच्चारण करवाएँ।
* विद्यार्थियों का ध्यान **ऐ** और उसकी मात्रा ै के रूप में आए अंतर की ओर विशेष रूप से आकृष्ट करें।

5. रेखा खींचकर शब्द को सही चित्र से मिलाओ

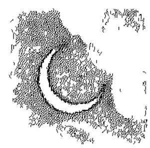
चाँद



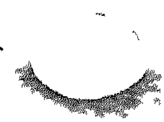
अंडा



झोला



झोपड़ी



6. योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **फ ँ ऐ ै ड झ म ल स न त ी ़** लिपिसंकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे: **फल, एक-अनेक, ऐसा-वैसा** आदि।
* नुक्ते वाले शब्दों के उदाहरण देकर उनके अंतर को स्पष्ट करें, जैसे : **फल-फ़ोटो** आदि।
* अनुस्वार और अनुनासिक के प्रयोग के अंतर को स्पष्ट करें, जैसे : **हंस-हँस** आदि।
* रंगों की जानकारी आस-पास की वस्तुओं के आधार पर कराएँ, जैसे :
  1. आपकी शर्ट/पैंट का रंग क्या है?
  2. आपने कौन से रंग की स्कर्ट पहनी है?
  3. अपने रिबन, हेयर बैंड, बैग, जूते, ज़ुराब आदि के रंग के बारे में एक दूसरे से चर्चा करें।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिन्दु

तोता हरा है।	कोयल काली है।
वह रमा का घर है।	यह श्याम की घड़ी है।

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. यह बड़ा मकान है।
2. वह रमा का घर है।
3. रमा का घर नया है।
4. यह गोपाल का कमरा है।
5. गोपाल का कमरा बड़ा है।
6. यह लाल टमाटर है।
7. यह लड़का है, लड़का लंबा है।
8. पपीता पीला है ओर आसमान नीला है।
9. तोता हरा है और कोयल काली है।... आदि।

2. अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्दों को बोलें और विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरे करें

अध्यापक	: रमा का घर नया है।	विद्यार्थी	: रमा का घर नया है।
अध्यापक	: गोपाल का **कमरा**........	विद्यार्थी	: ....
अध्यापक	: **कोयल**	विद्यार्थी	: ....
अध्यापक	: **पपीता**	विद्यार्थी	: ....
अध्यापक	: **आसमान**	विद्यार्थी	: ....

---

*अध्यापक संकेत

* 'तोता **हरा** है' विशेषण संरचना के अनुसार यह अभ्यास करवाएँ।

3. अध्यापक पहला वाक्य पूरा बोलेंगे और दूसरा वाक्य आधा बोलकर रुकेंगे, विद्यार्थी वाक्य पूरा करें

नमूना	
तोता **हरा** है,	कोयल **काली** है।

1. श्यामपट्ट काला है, आसमान...........................।
2. अनार लाल है, आम ....।
3. संतरा हरा है, पपीता ....।

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

वस्तुओं/चित्रों को दिखाते हुए अध्यापक नमूने के अनुसार प्रश्न पूछें और विद्यार्थी सही उत्तर दें

नमूना	
अध्यापक : तोता हरा है?	विद्यार्थी : जी हाँ, तोता हरा है।

अध्यापक	:	आसमान नीला है?	विद्यार्थी	:	....
अध्यापक	:	पपीता काला है?	विद्यार्थी	:	....
अध्यापक	:	अनार हरा है?	विद्यार्थी	:	....
अध्यापक	:	कोयल काली है?	विद्यार्थी	:	....

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी आपस में इसी तरह कक्षा की वस्तुओं और विद्यार्थियों की ओर संकेत करते हुए उनके साथ विपरीत रंगों को जोड़कर प्रश्न पूछें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें जिनमें विभिन्न रंगों के नाम आ सकें।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** सोपान 3 और 4 के अभ्यास पिछले पाठ में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार कराएं किंतु प्रश्न आदि में रंगों के नाम **लाल, हरा, पीला, नीला, काला, सफेद** आदि का प्रयोग अवश्य करें।

छठा पाठ

धनुष

शिक्षण बिंदु

उ, ध ष ऊ भ

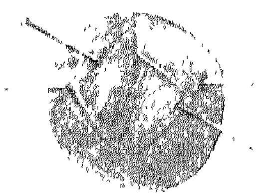
1. **उँगली** **धनुष**





उँ ग ली **ध नु ष**

ऊन **भालू**





ऊ न **भा लू**

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लेश कार्ड पर **भालू** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएं।

* इसी तरह **धनुष, ऊन** और **उँगली** शब्दों में आए वर्णो की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

उ ऊ ध भ ष स श ड़

ध धा धि धी धु धू धे धो

3. सुनो और पढ़ो

उस	उसका	उपकार	उपचार	धन	धान	धीमा
धोखा	आधा	धनिया	पुल	कुल	बुनाई	दुकान
साबुन	बुलबुल	बुराई	नुमाइश	गुलाब	अब	ऊँट
ऊपर	ऊँचाई	उधार	असर	दूसरा	मज़दूर	लू
फूल	चूहा	धूप	जूता	आलू	चाकू	सुना
सूना	भात	भाषा	भाई	भोजन	भीतर	सभा
लाभ	शोभा	भारत				

4. लिखो

उ ऊ ध भ ष प ऐ

उसका धान पुल ऊँट आलू चाकू

शिक्षण संकेत

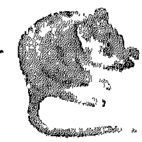
* **सुनो और पढ़ो** के अंतर्गत एक समान लगने वाले शब्दों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दिलाते हुए उनके अंतर को स्पष्ट कर, जैसे : **उपकार-उपचार, धन-धान, फल-फूल, सुना-सूना, भला-भाल-भाला-भालू, चाक-चाकू, पुल-कुल, बुराई-बुनाई-बुआई** आदि।

5. रेखा खींचकर शब्द को सही चित्र से मिलाओ

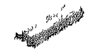
चाकू



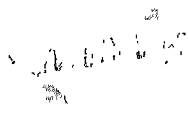
पुल



चूहा



भालू



फूल



योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों और मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **ध ष भ उ ऊ ु ू** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे : **धुन, धूल, भाला, भालू, विषय, विषम, विशेष ...** आदि।

शिक्षण संकेत

* सोपान 5 का अभ्यास पिछले पाठों में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार करवाएँ।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

मेरा भाई	मेरी बहन
आपका भाई	आपकी बहन
रमा का घर	सलमा की लड़की
मोहन का कमरा	मोहन की घड़ी

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. यह सतीश का थैला है।
2. यह आपका मकान है।
3. यह हमारा झंडा है।
4. यह हमारी किताब है।.....आदि।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. यह मेरा थैला है।
2. यह उसकी कलम है।
3. आपका नाम क्या है?
4. आपकी कलम कहाँ है?
5. यह हमारा झंडा है।
6. यह मेरी किताब है।... आदि।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन शब्दों को बोलना और लिखना सीख लिया है उनका प्रयोग करते हुए अध्यापक **हमारा, आपका.....** आदि का प्रयोग करना/बोलना सिखाएँ।

3. **अध्यापक पहले वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाईप वाले शब्दों को बोलें और विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करें**

> **नमूना**
>
> यह कमरा **मेरा** है। (कलम)
>
> यह कलम **मेरी** है।

1. **मोहन**............ भाई है।
2. **रमा**.............. बहन है।
3. **भूषण** .... साथी है।
4. **प्रिया** .... सहेली है।
5. .... भाई मोहन है।
6. .... बहन रमा है।
7. .... साथी है।
8. .... सहेली है।

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी **मेरा, तुम्हारा, आपका, हमारा** आदि का प्रयोग कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए करें।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इस अभ्यास को सहज बनाने के लिए अध्यापक को कक्षा में प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध वस्तुओं के बारे में बातचीत करनी चाहिए। अध्यापक पाँच-छह शब्दों का प्रयोग अवश्य करें, जैसे : **साबुन, फूल, गाय, पुस्तक, कलम** आदि। विस्तृत व्यवहार के लिए विद्यार्थी अन्य परिचित शब्दों/वाक्यों का भी प्रयोग कर सकते हैं, जैसे :

  1. इसका नाम क्या है?(केवल मौखिक रूप से)
  2. तुम्हारा घर कहाँ है?
  3. यह किसका बस्ता है?.... आदि।

सातवाँ पाठ

ठेला

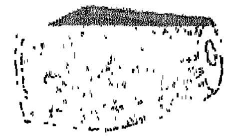
शिक्षण बिंदु

| ठ | ढ | ढ़ | रु | रू | ए |

1. **एड़ी** **ठेला** **ढोलक**

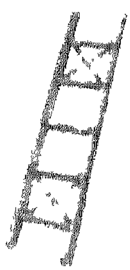


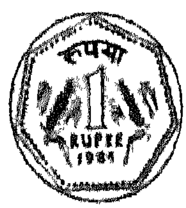


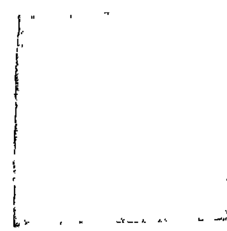


ए ड़ी **ठे ला** **ढो ल क**

सीढ़ी **रुपया** **रूमाल**







सी ढ़ी **रु प या** **रू मा ल**

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लेश कार्ड पर **ढोलक** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
* इसी तरह **एड़ी, ठेला, सीढ़ी, रुपया** और **रूमाल** में आए वर्णों की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ए	ठ	ढ	ढ़	रु	रू	द	उ	ऐ
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठां

3. सुनो और पढ़ो

एक	एकता	आइए	इसलिए	किसलिए	किसका	जिसका
ठंडा	आठ	साठ	गाँठ	लाठी	कोठरी	गठरी
ठीक	टीका	सेठ	मेल	मैल	केला	सेब
बेर	बैर	शेर	सैर	मेला	मैला	ढाल
ढोल	ढील	बाढ़	बूढ़ा	कढ़ाई	कड़ाई	लड़ाई
गुरु	शुरू	रुई	रूखा	डमरू	रुपया	रूमाल

4. लिखो

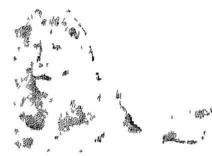
ए	ठ	ढ	ढ़	रु	
रू	द	ड	ऐ		
एकता	इसलिए	आठ	लाठी	शेर	
मेला	रेखा	नोट	कोठी	गढ़	ढाल

शिक्षण संकेत

* सोपान 2, 3 और 4 के अभ्यास पिछले पाठों में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार करवाएँ।

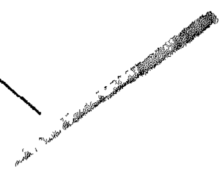
5. रेखा खींचकर शब्द को सही चित्र से मिलाओ

लाठी

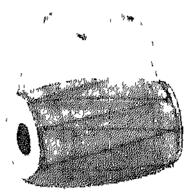


केला

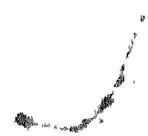
ढोल



शेर



रूमाल



योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **ठ ढ ढ़ रु रू ए ~** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे : **ढाल, ठंडा, कठिन, कठोर, रूठना** आदि।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

आओ।	आइए
दो	दीजिए
न	मत

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. तुम यहाँ आओ ।
2. आप यहाँ आइए।
3. लता, रूमाल लाओ।
4. मोहन, रूमाल मत लाओ।
5. आप रूमाल न लाइए।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. रमेश, तुम यहाँ आओ।
2. सीता, तुम अंदर जाओ।
3. तुम लोग अंदर बैठो।
4. रामू, एक कप चाय लाओ।
5. आप यहाँ आइए।
6. आप अंदर आइए।
7. आप लोग अंदर बैठिए।
8. आप एक कप चाय पीजिए।
9. यह किताब मत पढ़ो।
10. ठंडा दूध मत पिओ।
11. शोर मत करो।
12. यह किताब न पढ़िए।
13. ठंडा दूध न पीजिए।
14. शोर न कीजिए।

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

क. **नमूना**

तुम खाना **खाओ**। आप खाना **खाइए**।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन क्रिया शब्दों को बोलना और लिखना सीख लिया है उनकी सहायता से अध्यापक **आओ-आइए, दो-दीजिए** आदि का आदरार्थक प्रयोग करना/बोलना सिखाएं।

1. तुम अपने घर जाओ। आप ....।
2. तुम यह पाठ पढ़ो। आप ....।
3. तुम कुरसी पर बैठो। आप ....।

ख. **नमूना**

तुम यह किताब **मत लो।** आप यह किताब **न लीजिए।**

1. तुम रामू को पाँच रुपए दो। आप ....।
2. तुम यह चाय मत पिओ। आप ....।
3. तुम शोर मत करो। आप ....।

योग्यता विस्तार

* कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए विद्यार्थी आपस में उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाएँ, जैसे

1. आप यहाँ आओ। आप यहाँ आइए।
2. वहाँ से चाक लाओ। वहाँ से चाक लाइए।

* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें जिनमें आदरार्थक क्रियाओं का प्रयोग हो।

[illegible]

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इन अभ्यासों को सहज बनाने के लिए कक्षा में प्रत्यक्ष रूप से उपलब्ध वस्तुओं के बारे में बातचीत करनी चाहिए, जैसे : **चित्र, पेन, बॉक्स, स्केल, फ़ोटो, रिंग, फुटा** आदि।
* विस्तृत व्यवहार के लिए अन्य परिचित शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं, जैसे : **फैन, रेगुलेटर, शर्ट** आदि। चूँकि जिन शब्दों के लिखित रूप से विद्यार्थी अपरिचित है, उनका लिखित रूप सामने न लाएँ।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण :** अध्यापक विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति के समय उच्चारण और शब्द प्रयोग पर ध्यान दें, त्रुटियाँ होने पर उन्हें दोष न दें। उच्चारण और शब्द प्रयोग का बार-बार अभ्यास कराकर उनमें सुधार लाने का प्रयत्न करें।

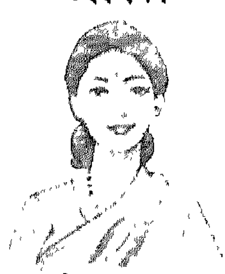
आठवाँ पाठ

पौधा

शिक्षण बिंदु

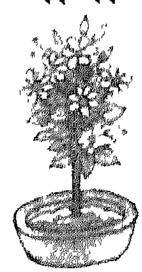
| औ ै छ ण |

1. **औरत**



औ र त

पौधा



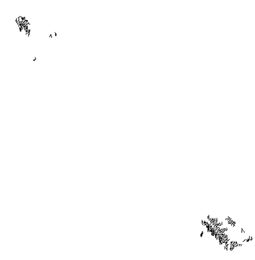
पौ धा

छतरी



छ त री

बाण



बा ण

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लेश कार्ड पर **'औरत'** लिखें ओर उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

* इसी तरह **पौधा, छतरी** और **बाण** में आए वर्णो की पहचान करवाएँ ओर बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ओ छ ण ओ च ढ ढ़ ड़ ऐ अ

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ

3. सुनो और पढ़ो

और औज़ार ओषध कौन कौआ

गौरेया चौक चौकी चौड़ा चौपाया

तौलिया नौकर चौथा खिलौना छतरी

छाता छाया छिलका छिपकली मछली

भाषण भूषण रावण विभीषण

4. लिखो

आ छ ण आ च ढ ढ़ ड़

और और ओषध कौआ गौरेया चौड़ा तौलिया

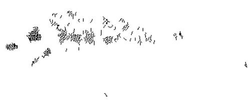
छिपकली भाषण चौक छाया छतरी भूषण

5. इनके नाम लिखो

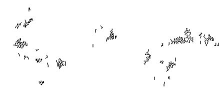




_ _ _ _ _ _ _   _ _ _ _ _ _ _







_ _ _ _ _ _ _   _ _ _ _ _ _ _   _ _ _ _ _ _ _

योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णों तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **छ, ण, औ, ौ, ऐ, ै, प, म, ल, स र** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनाकर बुलवाएँ और कुछ शब्द विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे : **रन-रण, कल-खल, चौदह, चौराहा** आदि।

शिक्षण संकेत

* एक समान लगने वाले शब्दों के उच्चारण तथा उनके अंतर को स्पष्ट करें और बार-बार बुलवाएँ, जैसे: **चौक-चौकी, ओर-और, लोटना-लौटना, कोना-कौन** आदि।
* जल में और थल पर पाए जाने वाले जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों के बारे में विद्यार्थियों को बताएँ और उनकी विशेषताओं के बारे मे उनसे चर्चा करें।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

1. में, पर
2. वहाँ, यहाँ, कहाँ

1. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. आपका भाई कहाँ है?	मेरा भाई घर में है।
2. आपकी कलम कहाँ है?	मेरी कलम मेज़ पर है।
3. आपकी रूमाल कहाँ है?	मेरी रूमाल यहाँ है।
4. आपकी छतरी कहाँ है?	मेरी छतरी यहाँ है।

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. आपका भाई कहाँ है?	6. मीरा वहाँ है?
2. मेरा भाई घर में है।	7. आपकी कलम कहाँ है?
3. मेरा भाई कमरे में है।	8. मेरी कलम थैले में है।
4. मेरा भाई गाँव में है।	9. मोहन! रूमाल कहाँ है?
5. मीरा कहाँ है?	10. रूमाल यहाँ है।

3. अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्दों को बोलें और विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करें

नमूना

कलम **अलमारी** में है। **(संदूक)**

कलम **संदूक में** है।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन शब्दों को बोलना और लिखना सीख लिया है, अध्यापक उनका प्रयोग करते हुए **में, पर, वहाँ, यहाँ, कहाँ** आदि शब्दों का प्रयोग वाक्यों में करना सिखाएँ।

1. मेरा भाई **शहर में** रहता है। **(गाँव)**
2. ....**(मैदान)**
3. ....**(घर)**
4. गाड़ी **सड़क पर** है। **(ठेला)**
5. ....**(साइकिल)**
6. ....**(बस)**

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें और विद्यार्थी नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दें

नमूना	
आपकी बहन कहाँ है?	मेरी बहन **घर में** है।

1. आपका भाई कहाँ है? (गाँव, शहर) ....
2. आपका घर कहाँ है? (शहर, गाँव) ....
3. मेरी किताब कहाँ है? (अलमारी, संदूक) ....

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी आपस में इसी तरह अन्य शब्दों जैसे : **दादा, स्कूटर, चिड़िया** आदि का प्रयोग करते हुए प्रश्नोत्तर करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को जीवंत/यथार्थ स्थितियों में बातचीत करने के लिए प्रेरित करें जिसमें **में, पर, यहाँ, वहाँ, कहाँ, कौन, किसका, उसका, अपना, आपका, हमारा, तुम्हारा** आदि का प्रयोग हो सके।
* अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के शब्द जो हिंदी में रूढ़ हो गए हैं, उनको संवाद तथा बातचीत में अवश्य प्रयोग करें, जैसे : **बाट, फैन, स्कूटर, बल्ब, ट्यूबलाइट, बटन, बोर्ड, रबर, फ़ोटो** आदि।

शिक्षण संकेत

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इन अभ्यासों को सहज बनाने के लिए कक्षा में/कक्षा के बाहर उपलब्ध वस्तुओं के बारे में बातचीत करना चाहिए, जैसे : **बाट, दोस्त, बस्ता, दुकान, ढोल** आदि।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण :** विद्यार्थियों के उच्चारण पर विशेष रूप से ध्यान दें। उच्चारण और अनुतान का सुधार साथ-साथ करवाएँ।

नवाँ पाठ

ऋषि

शिक्षण बिंदु

ऋ	ॖ	ज्ञ	क्ष	त्र	श्र

1\. ऋषि यज्ञ कक्षा





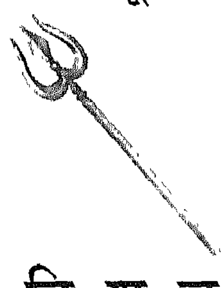


ऋ षि य ज्ञ क क्षा

छात्र श्री त्रिशूल







छा त्र श्री त्रि शू ल

शिक्षण संकेत

* अध्यापक श्यामपट्ट/फ्लैश कार्ड पर **ऋषि** लिखे और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।

* इसी तरह **यज्ञ, कक्षा** तथा **छात्र** में आए वर्णों की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

ऋ ज्ञ क्ष त्र प इ झ त छ

3. सुनो और पढ़ो

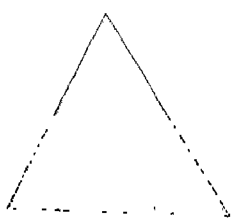
ऋण	ऋतु	ऋषभ	ज्ञान	ज्ञाता	विज्ञान
क्षमा	क्षत्रिय	क्षेत्र	शिक्षा	परीक्षा	शिक्षक
नेत्र	त्रिशूल	त्रिभुज	त्रिवेणी	पत्र	चित्र
तृण	कृपा	मृग	कृपया	मंत्र	मित्र
श्री	श्रीमान	श्रीमती	श्रम	आश्रम	विश्राम

4. लिखो

ज्ञ, त्र, श्र, क्ष, ऋ श ष

ऋतु, क्षेत्र, पत्र, कृपा, मृग, शिक्षा, शिक्षक

5. इनके नाम लिखो



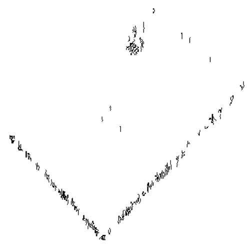
_ _ _ _



_ _ _ _

शिक्षण संकेत

* सोपान 2, 3, 4 और 5 के अभ्यास पिछले पाठों में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार करवाएँ।





— — — — — — — — — —

योग्यता विस्तार

- शिक्षण बिंदु वाले सभी वर्णो तथा मात्राओं को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से इनकी पहचान करवाएँ।
- विद्यार्थियों से **क्ष त्र ज्ञ श्र ऋ** लिपि संकेतों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से बोर्ड पर लिखवाएँ, जैसे : **रक्षक, श्रम, अज्ञान, कक्ष, श्रीमती, कृपा** आदि।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

मैं..............हूँ।
तुम..............हो।
वह...............है।
वे/आप/हम......हैं।

1. अध्यापक मोटे अक्षर वाले शब्दों पर बल देते हुए बोलें ताकि विद्यार्थियों को इन दोनों के संबंध का स्पष्ट बोध हो सके

1. **मैं** शिक्षार्थी **हूँ।**
2. **मैं** छात्रा **हूँ।**
3. **तुम** विद्यार्थी **हो।**
4. **वह** छात्रा **है।**
5. **हम** शिक्षार्थी **हैं।**
6. **आप** अध्यापक **हैं।**
7. **वे** अध्यापिकाएँ **हैं।**

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. मैं विद्यार्थी हूँ।
2. तुम विद्यार्थी हो।
3. हम विद्यार्थी हैं।
4. क्या तुम ठीक हो?
5. जी नहीं, मैं बीमार हूँ।
6. आप कैसे हैं?
7. मैं ठीक हूँ।
8. आप शिक्षक हैं।
9. वह शिक्षक है।
10. वे शिक्षक हैं।
11. मेरी कक्षा में बीस विद्यार्थी हैं।
12. वे हमारी कक्षा के शिक्षक हैं।
13. आपके पिताजी कैसे हैं?
14. पिताजी आजकल बीमार हैं।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन शब्दों को बोलना और लिखना सीख लिया है अध्यापक उनका प्रयोग करते हुए **मैं.....हूँ, तुम.....हो, वह.... है, वे..... हैं, आप.......है।** की संरचनाओं में वाक्य बोलना सिखाएँ।

3. अध्यापक पहले वाक्य बोलेंगे और विद्यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्दों को बोलें और विद्यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करें

1. **मैं** छठी कक्षा का विद्यार्थी हूँ।
2. **हम** ------------------------------
3. **वह** ------------------------------
4. **वे** ------------------------------
5. **तुम** ------------------------------
6. **आपके** पिताजी आजकल कहाँ हैं ?
7. **आपकी** माताजी ------------------
8. **आपका** भाई --------------------
9. **आपकी** बहन -------------------
10. **पिताजी** आजकल दिल्ली में हैं।
11. **मैं** ------------------------------
12. **हम** ------------------------------
13. **वह** ------------------------------
14. **मेरी** बहन -----------------------

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें और विद्यार्थी जी हाँ, जी नहीं लगाकर पूरे वाक्य में उत्तर दें

1. क्या तुम इसी कक्षा के विद्यार्थी हो? (जी हाँ, जी नहीं)
2. क्या आप शिक्षक हैं? (जी हाँ, जी नहीं)
3. क्या आपके भाई शिक्षक हैं? (जी हाँ, जी नहीं)

4. क्या पिताजी घर में हैं? (जी हाँ, जी नहीं)
5. क्या आपका मकान गाँव में है? (जी हाँ, जी नहीं)
6. क्या आप ठीक हैं? (जी हाँ, जी नहीं)
7. तुम कैसे हो? (ठीक, बीमार)
8. आप कौन हैं? (छात्र, छात्रा)
9. तुम आजकल कहाँ रहते हो? (दिल्ली, मैसूर)
10. वे लड़कियाँ कौन हैं? (छात्राएँ, मेरी बहनें)

योग्यता विस्तार

* विद्यार्थी आपस में इसी तरह कक्षा की वस्तुओं की ओर संकेत करते हुए प्रश्नोत्तर करें।
* अध्यापक विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर की जीवंत/यथार्थ स्थितियों में संवाद के लिए प्रेरित करें जिनमें **जी हाँ, जी नहीं,** आदि का प्रयोग हो सके।

[illegible]

* **अन्य शब्दों का प्रयोग :** इन अभ्यासो को सहज बनाने के लिए अध्यापक को कक्षा में उपलब्ध वस्तुओं के बारे में बातचीत करनी चाहिए, जैसे : **दरवाज़ा, स्विच बोर्ड, श्यामपट्ट, चार्ट, तार** आदि।
* विस्तृत व्यवहार के लिए विद्यार्थी अन्य परिचित शब्दो का भी प्रयोग कर सकते है, जैसे : **चाक, चित्र, तस्वीर** आदि।
* **विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का निरीक्षण :** विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति के समय अध्यापक शब्द के उच्चारण और प्रयोग पर ध्यान दें। उच्चारण और अनुतान का अभ्यास साथ-साथ करवाएं।

दसवाँ पाठ

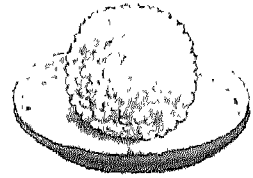
ट्रैक्टर

शिक्षण बिंदु

क्	स्	्	्र	्र	र्‍

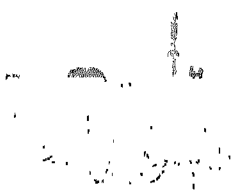
1. **क्यारी** **बस्ता** **लड्डू**

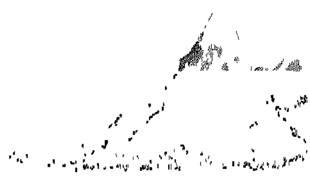




क या री **ब स् ता** **ल ड् डू**

ट्रैक्टर **प्रार्थना** **पर्वत**





ट्रै क ट र **प्रा र्थ ना** **प र्व त**

शिक्षण संकेत

* श्यामपट्ट/फ्लैश कार्ड पर **ट्रैक्टर** लिखें और उसका चित्र दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों से बुलवाएँ।
* इसी तरह **क्यारी, बस्ता,** लड्डू और **प्रार्थना** में आए वर्णों की पहचान करवाएँ और बार-बार बुलवाएँ।

2. पहचानो और बोलो

क्या	क्यों	दफ्तर	बच्चा	प्याला	ड्रम
अड्डा	छुट्टी	ट्रक	पर्वत	क्रम	ट्राम

3. सुनो और पढ़ो

पका	पक्का	चक्र	चक्कर
हफ्ता	प्राप्त	रास्ता	नाश्ता
गुब्बारा	अध्यापक	विद्या	अच्छा
मच्छर	सब्जी	नब्ज़	पत्ता
पता	अन्न	रन	पप्पू
फालतू	लट्टू	पत्थर	चिट्ठी
कबड्डी	बुद्धि	डाक्टर	खद्दर
ट्रेन	ड्रम	ड्रामा	क्रिकेट
क्रेन	धर्म	समुद्र	

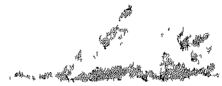
4. लिखो

क्य	क्त	च्च	ड्ड	क्या	वक्त
बच्चा	अड्डा	समुद्र	डाक्टर	क्रिकेट	ट्रेन
पत्ता	खद्दर	क्रम	चक्कर	धर्म	चर्म

शिक्षण संकेत

* सोपान 2, 3 और 4 के अभ्यास पिछले पाठों में दिए गए शिक्षण संकेतो के अनुसार कराएँ।

5. रेखा खींचकर शब्द को सही चित्र से मिलाओ



ट्रक



पत्ता



लट्टू



पर्वत



क्रिकेट

योग्यता विस्तार

* अध्यापक शिक्षण बिंदु वाले सभी स्वर रहित वर्णों को श्यामपट्ट पर लिखें और विद्यार्थियों से बारी-बारी से पहचान करवाएँ।
* विद्यार्थियों से **क, रु, ड्, प्र, ट्र** वर्णों की सहायता से अन्य शब्द बनवाकर विद्यार्थियों से बुलवाएँ और कुछ विद्यार्थियों से उन्हें बोर्ड पर भी लिखवाएँ, जैसे : **बिस्तर, सच्चा, अच्छा, शर्बत, अमृत, प्रिय** आदि।

शिक्षण संकेत

* अन्य अभ्यास पिछले पाठों में दिए गए शिक्षण संकेतों के अनुसार कराएँ।
* क्र, ट्र और र्व में रेफ के अंतर को विशेष रूप से स्पष्ट करें तथा इनका बार-बार अभ्यास करवाएँ।

मौखिक पाठ

शिक्षण बिंदु

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]

1. अध्यापक बोलेंगे और विद्यार्थी सुनेंगे

1. मोहन खाना खा रहा है।
2. सीता गाना गा रही है।
3. बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।
4. लड़कियाँ खाना पका रही हैं।
5. मैं इस समय चिट्ठी लिख रहा हूँ।
6. तुम क्या कर रहे हो?
7. आप कहाँ जा रहे हैं?

2. अध्यापक वाक्य बोलेंगे और कक्षा के सभी विद्यार्थी एक साथ वाक्य दोहराएँगे

1. मोहन लड्डू खा रहा है।
2. गोपाल सो रहा है।
3. सीता गाना गा रही है।
4. बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।
5. खेत में ट्रैक्टर चल रहा है।
6. लड़कियाँ क्यारी में पानी दे रही हैं।
7. अध्यापक कक्षा में पढ़ा रहे हैं।
8. मैं चिट्ठी लिख रहा हूँ।

शिक्षण संकेत

* विद्यार्थियों ने जिन वाक्यों को बोलना और लिखना सीख लिया है अध्यापक उनका प्रयोग करते हुए **जा रहा हूँ, जा रहा है, जा रही है, जा रहे हैं, जा रही हैं** आदि संरचना को वाक्यों में बोलना सिखाएं।

3. अध्यापक पहला वाक्य बोलेंगे और विद्‌यार्थी दोहराएँगे। फिर अध्यापक केवल मोटे टाइप वाले शब्दों को बोलें और विद्‌यार्थी उनकी मदद से वाक्य पूरा करें

नमूना

मोहन खेल **रहा है।** **(सीता)**

सीता खेल **रही है।**

1. रमेश किताब पढ़ रहा है। **(शीला)**
2. .... **.......(लड़की)**
3. .... **....(लड़कियाँ)**
4. .... **.......(लड़के)**
5. .... **.....(माताजी)**

प्रश्न	**उत्तर**
1. तुम क्या कर रहे हो?	1. ....
2. आप	2. ....
3. वे लड़के	3. ....
4. वे लड़कियाँ.........	4. ....
5. पिताजी	5. ....
6. तुम लोग	6. ....

4. प्रश्नोत्तर अभ्यास

अध्यापक अलग-अलग विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें और विद्यार्थी नमूने के अनुसार जी हाँ, जी नहीं लगाकर प्रश्नों के उत्तर दें

नमूना

अध्यापक : क्या तुम खेल रहे हो?

शिक्षार्थी : जी हाँ, मैं खेल रहा हूँ।

जी नहीं, मैं नहीं खेल रहा।

1. क्या तुम चिट्ठी लिख रहे हो?	(जी हाँ, जी नहीं)
2. सभी लड़के पढ़ रहे हैं?	(जी हाँ, जी नहीं)
3. क्या तुम कपड़े धो रही हो?	(जी हाँ, जी नहीं)
4. क्या आप टेलीविजन देख रहे हैं?	(जी हाँ, जी नहीं)
5. तुम बाजार जा रहे हो?	(जी हाँ, जी नहीं)
6. क्या लड़कियाँ छात्रावास जा रही हैं?	(जी हाँ, जी नहीं)

शिक्षण संकेत

* अभ्यास को सहज बनाने के लिए अध्यापक, छात्र/छात्राओं से आपस में बातचीत करवाएं, जैसे :
  1. मैं बाजार जा रहा हूँ। (लड़का)
  2. मैं खेल रही हूँ। (लड़की)
* जी नहीं वाले उत्तर में सहायक क्रिया हूँ, **हो**, है, **हैं** के लोप की ओर विद्यार्थियों का ध्यान आकृष्ट करें। बार-बार के अभ्यास से वे इसका लोप करना सीख जाएंगे।

5. नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दो

नमूना

तुम्हारा भाई इस समय क्या कर रहा है? **(पढ़)**

मेरा भाई इस समय पढ़ रहा है।

1. तुम क्या कर रहे हो? (लड्डू)
2. आप कहाँ जा रहे हैं? (बाज़ार)
3. माता जी क्या पका रही हैं? (सब्ज़ी)
4. छोटा लड़का क्या कर रहा है? (खेल)
5. तुम क्या पढ़ रही हो? (कविता)
6. तुम क्या लिख रही हो? (पत्र)
7. अध्यापक क्या कर रहे हैं? (पढ़ा)
8. तुम कहाँ से आ रहे हो? (छात्रावास)
9. शीला क्या कर रही है? (गाना)

योग्यता विस्तार

* शिक्षण बिंदु वाले वाक्य श्यामपट्ट पर लिखें और बारी-बारी से विद्यार्थियों से पहचान करवाएँ, बुलवाएँ तथा विद्यार्थियों से बोर्ड पर कुछ सामान्य वाक्य लिखवाएँ।

---

* अध्यापक पाठ में आए नमूने के अनुसार विदयार्थियों से प्रश्नोत्तर तथा बातचीत का अभ्यास करवाएँ, जैसे·

1. माताजी क्या पका रही हैं?(खीर)
2. रमा क्या कर रही है? (सो)
3. लड़के क्या देख रहे हैं? (टीवी)
4. लड़कियाँ क्या कर रही है?(नाच)

मानक हिंदी वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ अं अः

मात्राएँ

ा ि ी ु ू ृ

ो ौ ं ँ े ै

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण ड़ ढ़

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ श्र

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः

फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः

संयुक्त व्यंजन

1. क - अ = क , फ - अ = फ
2. खड़ी पाई वाले व्यंजनों से खड़ी पाई निकाल देना, जैसे :

   ख - अ = ख़ , ग - अ = ग , च - अ = च आदि।
3. उपर्युक्त (1) और (2) को छोड़कर सभी व्यंजनों के नीचे हल चिह्न (्) लगाना, जैसे : ठ - अ = ठ् , ड - अ = ड् , द - अ = द्,

   ह - अ = ह् आदि ।
4. र को व्यंजनों से पहले और बाद में जोड़ना

   (क) पूर्व व्यंजन यदि स्वर रहित (आधा) हो और बाद में र आए तो रेफ (्र) नीचे आएगी, जैसे :

   क + र = क्र , ग + र = ग्र , ज + र = ज्र आदि ।

   (ख) ट वर्ग के पहले वाले चारों वर्णों के साथ नीचे हंसपद नुमा रूप (्र) जुड़ेगा, जैसे : ट्र, ड्र आदि ।

   (ग) स्वर रहित र (र्) के बाद व्यंजन आने पर रेफ (र्) परवर्ती व्यंजन के ऊपर लगेगी, जैसे : र् + म = र्म (कर्म) , र् + च = र्च (चर्च), र् + त = र्त (शर्त) आदि।

   (घ) स्वर रहित (र्) व्यंजन के बाद स्वर की मात्रा आए तो (र्) स्वर की मात्रा के ऊपर लगेगी, जैसे : कार्यालय, विद्यार्थी, कर्मों आदि।

ग्यारहवाँ पाठ

हमारा घर

शिक्षण बिंदु

यह/वह	(सर्वनाम/पूरक + संज्ञा) हमारा + घर (संज्ञा + सर्वनाम/पूरक) घर + हमारा	[illegible]
	(विशेषण + संज्ञा) छोटा + कमरा (संज्ञा + विशेषण) कमरा + छोटा	
	लिंग-वचन की अन्विति	



सलमान : सतीश ! नमस्कार।

सतीश : नमस्कार, सलमान।

सलमान : यह घर किसका है?

सतीश : यह घर हमारा है।
आओ, अंदर आओ।

सलमान : तुम्हारे घर में कितने कमरे हैं?

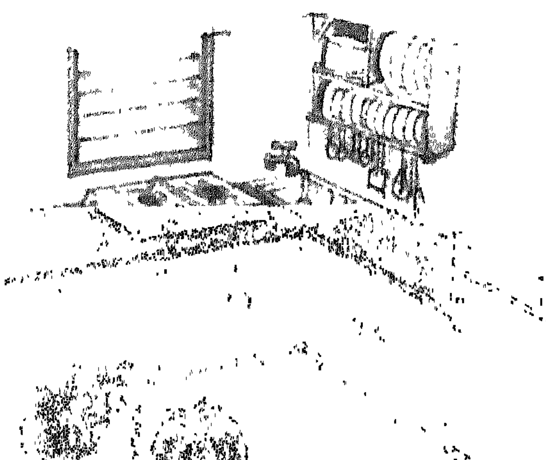
सतीश : हमारे घर में चार कमरे हैं। दो कमरे बड़े हैं, दो कमरे छोटे।

सलमान : रसोईघर और स्नानघर किधर है?

सतीश : दाहिनी ओर रसोई घर है। उसके पास स्नानघर है।

सलमान : यह कमरा किसका है?





सतीश : यह मेरे दादाजी का कमरा है।

सलमान : और वह?

सतीश : वह मेरे पिताजी का कमरा है।

सलमान : वह किसका मकान है?

सतीश : वह श्रीनिवासन का मकान है। वह मेरा दोस्त है। उसका मकान बड़ा है। उसके घर के सामने एक सुंदर बगीचा भी है। आओ, हम बगीचे में चलें ।



सतीश : देखो, बगीचे में कई पौधे हैं। क्यारियों में रंग-बिरंगे फूल लगे हैं। ये गुलाब के फूल हैं और वे गेंदे के। दीवार के पास कई पेड़ हैं। कुछ पेड़ लंबे हैं और कुछ पेड़ छोटे। यह आम का पेड़ है और वह नीम का। वह अमरूद का पेड़ है, यह नारियल का। अमरूद का पेड़ छोटा होता है और नारियल का पेड़ लंबा।

सलमान : वाह ! यह बगीचा बहुत सुंदर है।

शिक्षण संकेत

* संज्ञा के पहले पूरक/विशेषण आए तो गुण (विशेषण) पर बल होता है, जबकि संज्ञा के बाद विशेषण आए तो कथन में संज्ञा पर बल होता है। अध्यापक को चाहिए कि इस अंतर को विद्यार्थियों को समझाते हुए ऐसे और उदाहरण दें।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

घर	कमरा	रसोईघर	स्नानघर	दादाजी	पिताजी	मकान	दोस्त
बगीचा	फूल	पौधा	पेड़	आम	बड़ा	छोटा	लंबा
सुंदर	रंग-बिरंगे	दाहिनी ओर		के सामने	कई	कुछ	

2. पढ़ो और समझो

एकवचन पुल्लिंग	बहुवचन पुल्लिंग
कमरा	कमरे
बगीचा	बगीचे
पौधा	पौधे
लड़का	लड़के

एकवचन स्त्रीलिंग	बहुवचन स्त्रीलिंग
अलमारी	अलमारियाँ
साड़ी	साड़ियाँ
कुरसी	कुरसियाँ
लड़की	लड़कियाँ

3. तालिका में से शब्द लेकर वाक्य बनाओ

यह	बड़ा पुराना नया	मकान	है।

यह मकान	मेरा उसका तुम्हारा	है।

शिक्षण संकेत

* अध्यापक वस्तुएँ दिखाकर प्रश्न पूछें और विद्यार्थी उनके उत्तर दें, जैसे :
  1. यह किसका बस्ता है? यह रमेश का बस्ता है।
  2. यह किसकी किताब है? यह सुनीता की किताब है।

4. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

(गंदा, छोटा,लंबा, पीला)

1. यह कमरा बड़ा है, वह कमरा .... है।
2. यह फूल लाल है, वह फूल .... है।
3. यह स्नानघर साफ़ है, वह स्नानघर .... है।
4. यह पेड़ छोटा है, वह पेड़ .... है।

5. नमूने के अनुसार वाक्यों को मिलाओ

नमूना
यह मकान नया है। वह मकान पुराना है।
→ यह मकान नया है **और** वह पुराना।

1. कुछ पेड़ लंबे हैं। कुछ पेड़ छोटे हैं।1
2. यह आम का पेड़ है। वह नीम का पेड़ है।
3. यह किताब मेरी है वह किताब तुम्हारी है।
4. ये कमरे छोटे हैं। वे कमरे बड़े हैं।

6. नमूने के अनुसार उत्तर दो

नमूना
यह किसका मकान है? → यह श्रीनिवासन का मकान है।

1. वह किसकी घड़ी है? ....
2. ये किसकी किताबें हैं? ....
3. यह किसका बस्ता है? ....
4. वे किसके जूते हैं? ....

शिक्षण संकेत

* अध्यापक ऊपर दिए प्रश्नों का उत्तर भिन्न वचन और लिंग का प्रयोग करते हुए सिखाएँ।
* विद्यार्थियों और कक्षा की वस्तुओं के आधार पर पहले मौखिक फिर लिखित अभ्यास कराएँ।

7. नमूने के अनुसार वाक्य बनाओ

नमूना	
यह कमरा बड़ा है।	**ये कमरे** बड़े हैं।

1. यह बस्ता छोटा है। --------------------------
2. यह लोटा बड़ा है। --------------------------
3. यह तोता हरा है। --------------------------
4. यह केला कच्चा है। --------------------------

नमूना	
वह लड़की सुंदर है।	**वे लड़कियाँ** सुंदर हैं।

1. वह खिड़की बड़ी है। --------------------------
2. वह टोकरी छोटी है। --------------------------
3. वह अलमारी ऊँची है। --------------------------
4. वह घड़ी अच्छी है। --------------------------

8. प्रश्नों के उत्तर दो

1. सतीश के घर में कितने कमरे हैं?
2. सतीश के घर के पास किसका मकान है?
3. श्रीनिवासन के घर के सामने क्या है?
4. बगीचा कैसा है?
5. सलमान और सतीश ने बगीचे में क्या-क्या देखा?

अनुकार्य

विद्यार्थी कक्षा की वस्तुओं के संदर्भ में उनके गुण आदि का वर्णन कर सकते हैं, जैसे : **ये खिड़कियाँ बड़ी हैं।** और उनके स्वामित्व के बारे में प्रश्नोत्तर करें, जैसे : **यह लाल बैग किसका है?** मेरा है। आदि।

बारहवाँ पाठ

कपड़े की दुकान

शिक्षण बिंदु

1. आना / आओ / आइए
2. मुझे / (मुझको) / चाहिए

अकबर : अम्मी, परसों ईद है। मुझे नए कपड़े चाहिए।

अम्मी : तुम फ़िक्र मत करो। आज शाम को हम बाज़ार जा रहे हैं।

सलमा : अम्मी, मुझे भी बाज़ार ले चलो। अब्बा, आप भी चलिए।

अब्बा : अकबर ! तुम भी चलो। तैयार हो जाओ।

(चारों बाजार जाते हैं। कपड़े की दुकान पर पहुँचते है।)



दुकानदार : आइए, इक़बाल भाई, नमस्कार।

अब्बा : आदाब, माधवन भाई।

दुकानदार : नमस्ते। आइए, आइए।

अब्बा : बच्चों के लिए कपड़े चाहिए।

दुकानदार : अभी लीजिए। रामू, साहब के लिए पानी लाओ, चाय भी लाना।

अम्मी : नहीं-नहीं चाय नहीं, सिर्फ़ पानी चाहिए।

अब्बा : भाई, सलमा के लिए सूट का कपड़ा दिखाइए। अकबर के लिए पैंट का कपड़ा चाहिए।

दुकानदार : रामू, पैंट के कपड़े निकाल लाओ।

अकबर : सलमा, तुम अपने लिए कपड़ा पसंद कर लो।

दुकानदार : बेटे, यह पैंट का कपड़ा देखो। यह बहुत अच्छा है।

अकबर : नहीं, यह नहीं चाहिए। यह अच्छा नहीं है, वह दिखाइए।

सलमा : अम्मी, यह सूट बहुत अच्छा है।

अम्मी : यह रंग अच्छा नहीं है बेटी ! माधवन भाई, कोई दूसरा रंग दिखाइए।

दुकानदार : यह लीजिए, नए-नए रंग के कपड़े।

अम्मी : यह रंग ठीक है। अकबर तुम भी अपना कपड़ा दे दो। माधवन भाई, ये कपड़े पैक कर दीजिए।

दुकानदार : रामू , ये कपड़े पैक कर दो, यह लीजिए आपका बिल।

अब्बा : शुक्रिया।

शिक्षण संकेत

* अध्यापक **ईद, दिवाली, होली** आदि त्योहारों के बारे मे विद्यार्थियों को बताएँ तथा **अम्मी-अब्बा, नमस्ते, शुक्रिया, आदाब, धन्यवाद** आदि का सांस्कृतिक प्रयोग समझाएँ ।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

ईद	कपड़ा	दुकान	दुकानदार	बढ़िया	दूसरा
अपना	खरीदना	लाना	रहना	कच्चा	नहीं
सलाम	नमस्ते	शुक्रिया	फिक्र	बाजार	सिर्फ़

2. पढ़ो और समझो

क. (तुम/आप के प्रयोग)

तुम	आओ।	
तुम्हें	क्या	चाहिए?
तुम्हारा	नाम	क्या है?

आप	आइए।
आपको	क्या चाहिए?
आपका	नाम क्या है?

ख.

तू	तुम	आप
आ	आओ	आइए
बैठ	बैठो	बैठिए
देख	देखो	देखिए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
दे	दो	दीजिए
पी	पिओ	पीजिए
कर	करो	कीजिए

शिक्षण संकेत

* इस तरह अध्यापक भिन्न-भिन्न क्रियाओं **आना, बैठना, देखना** आदि संज्ञाओं **आम, साड़ी, पुस्तक** और व्यक्ति नामों **मोहन, शीला** का प्रयोग करते हुए मौखिक अभ्यास कराएँ तथा विद्यार्थियों को यह बताएँ कि वे **'तू'** का प्रयोग करने से बचें।

3. नमूने के अनुसार लिखो

नमूना
झूठ मत **बोलो।** आप झूठ मत **बोलिए।**

1. कच्चे आम मत खाओ। आप ----------------
2. तुम भीतर मत जाओ। आप ----------------
3. तुम यहाँ बैठो। आप ----------------

4. रिक्त स्थानों में तुम/आप लिखकर वाक्य पूरे करो

1. -------- मेरे साथ चलो।
2. -------- यह काम मत करो।
3. -------- बाजार की मिठाई न खाइए।
4. -------- पत्र लिखिए।
5. -------- यह पुस्तक पढ़ो।
6. -------- वहाँ से जल्दी लौट आइए।

5. क्रिया का सही रूप चुनकर वाक्य पूरे करो

1. रामू ! तुम बाज़ार----------------- । (जाओ/जाइए)
2. पिताजी ! आप मुझे भी अपने साथ। (ले चलो/ले चलिए)
3. आइए ! बहन जी ! इधर -------- । (बैठो/बैठिए)
4. लड़के ! तुम यह पुस्तक---------- । (पढ़ो/पढ़िए)

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना	
मुझे यह पुस्तक **चाहिए।**	मुझे यह पुस्तक **दीजिए।**

1. मुझे वह कमीज़ चाहिए। -----------------------
2. उसे यह मिठाई चाहिए। -----------------------
3. हमें यह फल चाहिए। -----------------------
4. इसे वह कलम चाहिए। -----------------------
5. मुझे वह घड़ी चाहिए । -----------------------

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. कपड़े खरीदने कौन-कौन गए ?
2. दुकानदार का नाम क्या है?
3. दुकानदार ने कैसे कपड़े दिखाए?
4. सलमा के लिए कौन-सा कपड़ा अच्छा लगा ?
5. अकबर नए कपड़े क्यों खरीदना चाहता था?

अनुकार्य

निम्नलिखित वाक्य संरचनाओं का प्रयोग करते हुए चीजें खरीदने के लिए संवाद का आयोजन करें। पहले अध्यापक-विद्यार्थी संवाद करें, फिर विद्यार्थी आपस में, जैसे :

1. मुझे यह कपड़ा चाहिए/नहीं चाहिए, वह दिखाइए/दीजिए।
2. तुम्हें/आपको क्या चाहिए/नहीं चाहिए।
3. मुझे एक किलो आलू/एक पैकेट चाय चाहिए/दीजिए।

तेरहवाँ पाठ

तितली



रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे, सबके मन को भाते हैं।
कलियाँ देख तुम्हें खुश होतीं फूल देख मुस्काते हैं।।
रंग-बिरंगे पंख तुम्हारे, सबका मन ललचाते हैं।
तितली रानी, तितली रानी, यह कह सभी बुलाते हैं।।
पास नहीं क्यों आती तितली, दूर-दूर क्यों रहती हो ?
फूल-फूल के कानों में जा, धीरे से क्या कहती हो ?
सुंदर-सुंदर प्यारी तितली, आँखों को तुम भाती हो ।
इतनी बात बता दो हमको, हाथ नहीं क्यों आती हो ?
इस डाली से उस डाली पर, उड़-उड़ कर क्यों जाती हो ?
फूल-फूल का रस लेती हो, हमसे क्यों शरमाती हो ?

नर्मदा प्रसाद खरे



शब्दार्थ

भाना	:	अच्छा लगना
हाथ न आना	:	पकड़ में न आना
कानों में कहना	:	धीरे से कहना।

भावार्थ

इस कविता में तितली से बात की गई है और उसके लुभावने रूप का चित्र खींचा गया है।

चौदहवाँ पाठ

बातचीत

शिक्षण बिंदु

1. मैं पढ़ता/ती हूँ, तुम पढ़ते/ती हो।
2. हम पढ़ते/तीं हैं, आप पढ़ते/ती हैं।

श्रीधर : नमस्ते, सुजाता। हम बहुत समय बाद मिले।
सुजाता : श्रीधर, नमस्ते।
श्रीधर : सुजाता, तुम आजकल किस विद्यालय में पढ़ती हो?
सुजाता : मैं जयहिंद विद्यालय में पढ़ती हूँ।

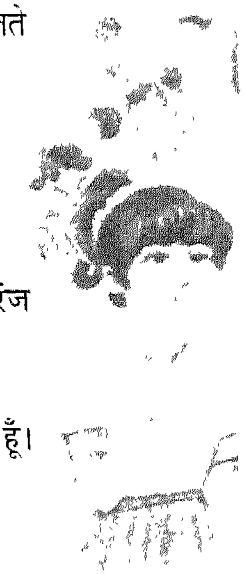


श्रीधर : जयहिंद विद्यालय ! वह कहाँ है?
सुजाता : प्रधान डाकघर के पास है। और तुम कहाँ पढ़ते हो?
श्रीधर : मैं आजकल नागपुर में पढ़ता हूँ। वहाँ मेरे मामाजी रहते हैं। अच्छा सुजाता, तुम्हारे विद्यालय में हिंदी कौन पढ़ाता है।
सुजाता : एक अध्यापिका हैं जिनका नाम ललिता जी है। वे बहुत अच्छा पढ़ाती हैं। मज़ेदार कहानियाँ सुनाती हैं। हिंदी के गीत भी सिखाती हैं।

श्रीधर : अरे, वे तो मेरी मौसी की सहेली हैं। मैं मौसी के साथ कभी-कभी उनके घर जाता हूँ। वे बहुत अच्छी-अच्छी बातें करती हैं। वे बहुत अच्छी हैं।

सुजाता : तुम ठीक कहते हो। अच्छा श्रीधर! आजकल शाम को तुम क्या करते हो?

श्रीधर : शाम को मैं एक घंटे खेलता हूँ। मेरे घर के पास मैदान है। हमलोग फुटबाल खेलते हैं। कभी-कभी क्रिकेट भी खेलते हैं। सुजाता, तुम कौन-सा खेल खेलती हो?



सुजाता : मैं खो-खो खेलती हूँ। कभी-कभी भाई बहनों के साथ अंत्याक्षरी भी खेलती हूँ।

श्रीधर : (हँसता है) अंत्याक्षरी, यह भी कोई खेल है?

सुजाता : भाई, यह बुद्धि का खेल है। इसके लिए हम कई गीत याद करते हैं। तुम्हें मालूम नहीं, शतरंज भी बुद्धि का खेल है।

श्रीधर : मैं यह मानता हूँ लेकिन हमें इस उम्र में भागना-दौड़ना चाहिए।मैं सुबह योगासन भी करता हूँ।



सुजाता : यह तुम बहुत अच्छा करते हो । योग करना अच्छा है। स्वास्थ्य ठीक रहता है। मैं भी सीखना चाहती हूँ।

श्रीधर : तुम कल सुबह गांधी पार्क में आ जाना। मेरे चाचाजी योगासन सिखाते हैं।

सुजाता : ठीक है। मैं कल गांधी पार्क पहुँचती हूँ। तो अब मैं चलती हूँ श्रीधर नमस्ते।

श्रीधर : नमस्ते सुजाता, मैं भी चलता हूँ।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

विद्यालय	प्रधान डाक घर	मौसी	खो-खो	सहेली
अंत्याक्षरी	शतरंज	योगासन	पढ़ना	खेलना
सीखना	सिखाना	सुनाना	याद करना	आ जाना
कहाँ	सुबह	शाम को	दिन में	कभी-कभी

2. पढ़ो और समझो

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं	पढ़ता हूँ । गाता हूँ ।	पढ़ती हूँ । गाती हूँ ।
तुम	खेलते हो । खाते हो ।	खेलती हो । खाती हो ।
हम आप	सीखते हैं । सुनते हैं ।	सीखतीं हैं । सुनतीं हैं ।

3. कोष्ठक में दी हुई क्रियाओं की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1. मैं दूध -------------- (पी)	मैं गाना ------------ (सीख)

शिक्षण संकेत

* पुल्लिंग/स्त्रीलिंग के साथ भिन्न-भिन्न क्रियाओं के साथ अभ्यास कराएँ।
* इस तरह के और भी प्रश्न छात्र-छात्राओं से पूछें और छात्र अपने अनुसार और छात्राएँ अपने अनुसार (पुल्लिंग/स्त्रीलिंग) सही क्रिया रूप का प्रयोग करके उत्तर दें।

2. तुम केला ---------- (खा) तुम कबड्डी --------- (खेल)

3. हम विद्यालय ---- (जाना) हम हिंदी ----------- (पढ़)

4. नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' 'नहीं' में दो

नमूना

क्या तुम संगीत सीखते हो/सीखती हो?

→ हाँ, मैं संगीत सीखता/सीखती हूँ।

नहीं, मैं संगीत नहीं सीखता/सीखती हूँ।

1. क्या आप हिंदी पढ़ते हैं/पढ़ती हैं?

   हाँ..............................

   नहीं............................

2. क्या तुम कबड्डी खेलती हो/खेलते हो?

   हाँ..............................

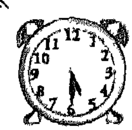
   नहीं............................

3. क्या आप चाय पीती हैं/पीते हैं?

   हाँ..............................

   नहीं............................

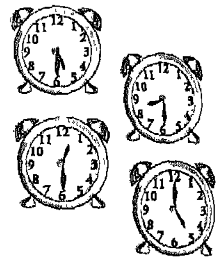
5. घड़ी में दिखाए समय को भरकर वाक्य पूरे करो

1. मैं सुबह ------------------ उठता हूँ। 

शिक्षण संकेत

* प्राय: नकारात्मक उत्तर में **'हो' 'हैं'** का प्रयोग छोड़ा जा सकता है। जैसे :
  मैं चाय नहीं पीता हूँ - मैं चाय नहीं पीता।
* अध्यापक प्रश्नोत्तर द्वारा बच्चों की दिनचर्या पर केंद्रित वाक्य बुलवाएँ।
* **एक से बारह बजे तक का समय** तय दिनचर्या के साथ घड़ी देखना सिखाएँ।

2. हम सुबह------------------ स्नान करते हैं।
3. मैं सुबह ------------------- स्कूल जाता हूँ।
4. हम दिन में---------------- खाना खाते हैं।
5. मैं शाम को -------------- क्रिकेट खेलता हूँ।



6. नमूने के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दो

नमूना
क्या तुम चाय पीते/पीती हो?
मैं चाय नहीं, दूध पीता/पीती हूँ।

1. क्या तुम क्रिकेट खेलते हो? (फुटबाल)

   ----

2. क्या आप कॉमिक्स पढ़ते हैं ?(किताब)

   ----

3. क्या तुम गाना सीखती-हो? (नाच)

   ----

4. माँ, क्या आप बुनाई करती हैं? (सिलाई)

   ----

7. प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए शब्द की सहायता से दो

1. तुम कितने बजे उठते/उठती हो? (पाँच बजे)

   मैं --

---

* इस अभ्यास को छात्रों और छात्राओं दोनों से अलग-अलग करवाएँ।

* **'मैं'** और **'हम'** के साथ इस तरह के अन्य प्रश्न पूछकर आदत और दैनिक व्यवहार के संबंध मे उत्तर प्राप्त करें।

2. तुम नाश्ते में क्या खाते/खाती हो? (इडली/बड़ा/दूध-ब्रेड/दही-पराठा)
   मैं --
   हम --
3. तुम स्कूल कब जाते/जाती हो? (नौ बजे)
   मैं --
   हम --
4. तुम स्कूल से कब लौटते/लौटती हो? (शाम को चार बजे)
   मैं --
   हम --
5. तुम गृहकार्य कब करते/करती हो?(छह बजे)
   मैं --
   हम --

8. प्रश्नों के उत्तर दो

1. जयहिंद विद्यालय कहाँ है?
2. अध्यापिका हिंदी कैसे पढ़ाती हैं?
3. सुजाता कौन-सा खेल खेलती है?
4. श्रीधर सुबह क्या करता है?
5. आसन कौन सिखाता है ?

अनुकार्य

अध्यापक **क्या-क्या** का प्रयोग करके प्रश्न पूछें, छात्र-छात्राएँ उत्तर दें, जैसे :

1. तुम क्या-क्या खेलते/खेलती हो? (क्रिकेट, शतरंज, जूड़ो, फुटबाल, हाकी)
2. तुम क्या-क्या पीते/पीती हो? (चाय, दूध, काफी, कोक, बटर मिल्क)
3. तुम क्या-क्या पढ़ते/पढ़ती हो? (कहानी, कविता, कामिक्स, गणित)
4. तुम टीवी में क्या-क्या देखते/देखती हो? (कार्टून, समाचार, सीरियल)

शिक्षण संकेत

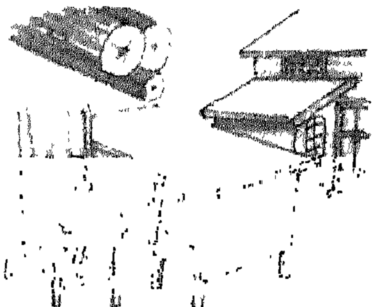
* अन्य क्रियाओं का भी अभ्यास कराएँ, जैसे : **दौड़ना, खाना, उठना, ब्रुश करना, नहाना** आदि।
* प्रश्नों के उत्तर छात्रों और छात्राओं दोनों से अलग-अलग प्राप्त करें।

पंद्रहवाँ पाठ

पेड़



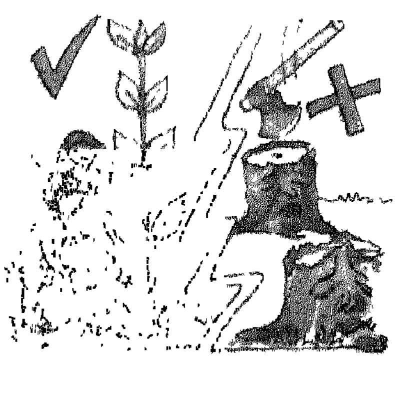
पेड़ हमें देते हैं छाया,
पेड़ हमें देते हैं फल,
पेड़ हमें देते ऑक्सीजन,
पेड़ बुलाते हैं बादल।



पेड़ हमें देते हैं लकड़ी,
कुरसी-मेज़ बनाते हम,
दरवाज़ों, खिड़कियों, झरोखों
से घर-बार सजाते हम।

पेड़ हमें देते हैं कागज़
तो हम लिखते-पढ़ते हैं,
पेड़ों के कारण ही जीवन
में हम आगे बढ़ते हैं।





पेड़ों पर आरी चलवाना
अपना गला कटाना है,
हम को तो पेड़ों के कटने
का दस्तूर घटाना है।

बालस्वरूप 'राही'

शब्दार्थ

आक्सीजन	:	प्राणवायु, शुद्ध हवा
झरोखा	:	छत से लगा हुआ रोशनदान
आरी	:	धारदार औजार, जिससे लकड़ी काटी जाती है
दस्तूर	:	रिवाज़, प्रथा

भावार्थ

इस कविता में कवि हमें यह बताना चाहता है कि पेड़ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। पेड़ों से हमें छाया मिलती है, फल मिलते हैं और ऑक्सीजन मिलती है। पेड़ों से हमें लकड़ी भी मिलती है। लकड़ी से मेज़-कुरसी और तरह-तरह की चीजें बनती हैं। हम जिस कागज़ पर लिखते हैं, वह भी पेड़ों से ही बनता है। हमारे जीवन के लिए पेड़ बहुत आवश्यक है। इस कविता में यह सुझाया गया है कि ऐसे उपयोगी पेड़ों को हम काटें नहीं, बल्कि उनकी रक्षा करें।

सोलहवाँ पाठ

सरकस

शिक्षण बिंदु

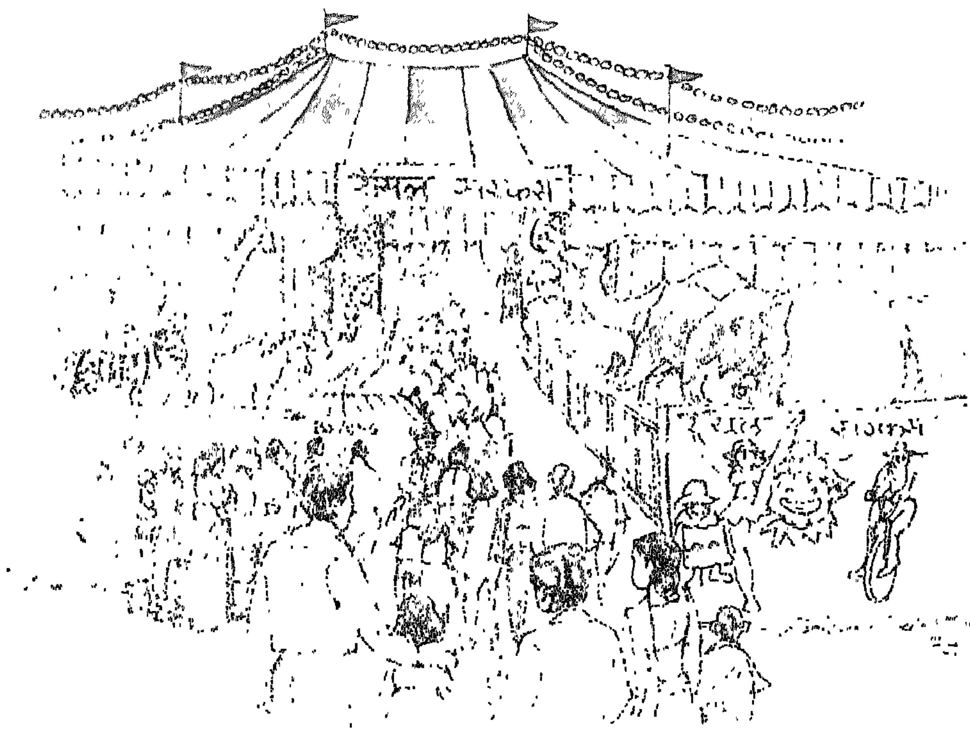
नित्य वर्तमान : -ता हूँ, -ता है, -ती है, -ते हैं, -ती हैं।

प्रदीप : राघव! तुम्हें मालूम है कि रामलीला मैदान में सरकस चल रहा है।

राघव : अच्छा! मैं तो नहीं जानता हूँ। सरकस कितने बजे शुरू होता है प्रदीप ?

प्रदीप : शाम को साढ़े पाँच बजे।

राघव : सरकस में क्या-क्या होता है?



प्रदीप : सरकस में तरह-तरह के खेल दिखाए जाते हैं। उसमें बहुत से जानवर होते हैं, जैसे : हाथी, शेर, भालू, घोड़े, कुत्ते आदि। जोकर भी होते हैं। वे रंग-बिरंगे कपड़े पहने होते हैं।

राघव : सरकस में शेर क्या करते हैं?

प्रदीप : शेर खेल दिखाते हैं। शेरों के साथ एक रिंग मास्टर होता है। उसके हाथ में एक लंबा चाबुक होता है। वह चाबुक फटकारता है तो शेर स्टूलों पर खड़े हो जाते हैं।

राघव : हाथी क्या करते हैं ?

प्रदीप : हाथी नाच दिखाते हैं। स्टूल पर बैठते हैं और सूँड़ उठाकर नमस्ते करते हैं। कुत्ते एक लंबी गाड़ी खींचते हैं।



राघव : और जोकर क्या करते हैं प्रदीप ?

प्रदीप : जोकर लोगों को हँसाते हैं।

राघव : सरकस में और क्या होता है ?

प्रदीप : बहुत कुछ होता है। लड़कियाँ साइकिल चलाती हैं, एक पहिए वाली साइकिल।

राघव : एक पहिए वाली साइकिल! वह कैसी होती है?

प्रदीप : उसमें एक ही पहिया होता है और एक छोटी सी गद्दी होती है। सरकस में बहुत मज़ा आता है।

राघव : प्रदीप, मैं भी सरकस देखना चाहता हूँ।

प्रदीप : तब चलो, कल ही चलते हैं। माँ और शीला को भी ले चलते हैं।

राघव : तो ठीक है, फिर कल मिलते हैं।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

सरकस　जानवर　फटकारना　मैदान　शैतान

तैनात　रंगीन　रंग-बिरंगे　नमस्ते　सूँड़

2. पढ़ो और समझो

पुल्लिंग　　　　स्त्रीलिंग

मैं		गाता हूँ।	मैं		गाती हूँ।
तुम		गाते हो।	तुम		गाती हो।
वह		गाता है।	वह		
राम	गाना		सीता	गाना	गाती है।
हम			हम		
आप		गाते हैं।	आप		गाती हैं।
वे			वे		
पिताजी			माताजी		

3. पढ़ो, समझो और बोलो

1. मेरी माताजी सवेरे छह बज़े स्नान करती हैं।
2. मेरे पिताजी सुबह सात बज़े सैर करने जाते हैं।
3. मेरी नानीजी सवेरे चार बज़े पूजा करती हैं।
4. मेरा भाई रात को देर तक पढ़ता है।
5. मेरे चाचाजी शाम को घूमने जाते हैं।

शिक्षण संकेत

* अध्यापक समय बोधक शब्दों का प्रयोग करते हुए **सुबह सात बज़े, दोपहर दो बज़े, रात दस बज़े** आदि का मौखिक अभ्यास कराएं।

4. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दिए शब्दों की सहायता से दो

1. तुम्हारे चाचा कहाँ काम करते हैं? (स्कूल में)

   ----

2. तुम्हारे बड़े भाई दफ्तर से कब लौटते हैं? (साढ़े पाँच बजे)

   ----

3. तुम्हारे मामाजी कहाँ रहते हैं? (हैदराबाद में)

   ----

4. तुम्हारी बहन कहाँ पढ़ती है? (जवाहर नवोदय विद्यालय में)

   ----

5. तुम्हारे पिताजी क्या करते हैं? (स्कूल में पढ़ाना)

   ----

5. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर बोलिए

नमूना
तुम्हारे चाचाजी की क्या रुचि है? (क्रिकेट खेलना)
मेरे चाचाजी क्रिकेट **खेलते हैं।**

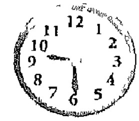
1. तुम्हारी बहन की क्या रुचि है? (गाना सीखना)
2. तुम्हारी माताजी की क्या रुचि है? (कढ़ाई करना)
3. तुम्हारे नानाजी की क्या रुचि है? (कहानी लिखना)
4. तुम्हारे भाई की क्या रुचि है? (शतरंज खेलना)

शिक्षण संकेत

* रिश्ते-नाते के शब्दों में **दादा-दादी, नाना-नानी, माताजी-पिताजी, चाचा-चाची, मामा-मामी, भाई-भाभी, जीजा-दीदी** को अभ्यास में स्थान दें।

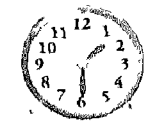
6. घड़ी देखकर प्रश्नों के उत्तर दो

क. 1. तुम स्कूल कब पहुँचते हो?



----

2. गणित की कक्षा कितने बजे शुरू होती है?



----

3. स्कूल की छुट्टी कब होती है?



ख. मिलान करो

आप   स्कूल कब पहुँचते हो?
      खाना कितने बजे खाती हो?
तुम   गाना कहाँ सीखती हैं?
      टहलने कब जाते हैं?

7. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

लड़के खेल **दिखाते** हैं।

लड़कियाँ खेल **दिखाती** हैं।

1. लड़कियाँ साइकिल चलाती हैं।
   लड़के ------------------
2. एक जोकर लोगों को हँसाता है।
   सभी जोकर-------------

3. आदमी नाचते हैं।

   औरतें ------------------

4. छात्रा गाना गाती है।

   छात्राएँ ------------------

8. प्रश्नों के उत्तर दो

1. सरकस कहाँ चल रहा है?
2. सरकस में हाथी क्या करता है?
3. सरकस में जोकर क्या करता है?
4. सरकस की साइकिल कैसी होती है?
5. सरकस में कौन-कौन से जानवर होते हैं?

अनुकार्य

सभी विद्यार्थी अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों की आदत के बारे में चार-चार वाक्य लिखें, जैसे :

1. मेरे चाचा क्रिकेट खेलते हैं।
2. मेरी बहन गाना सीखती है।
3. मेरी माँ कढ़ाई करती है।
4. मेरे नाना कहानियाँ लिखते हैं।
5. मेरा भाई जूड़ो-कराटे सीखता है, आदि।

सत्रहवाँ पाठ

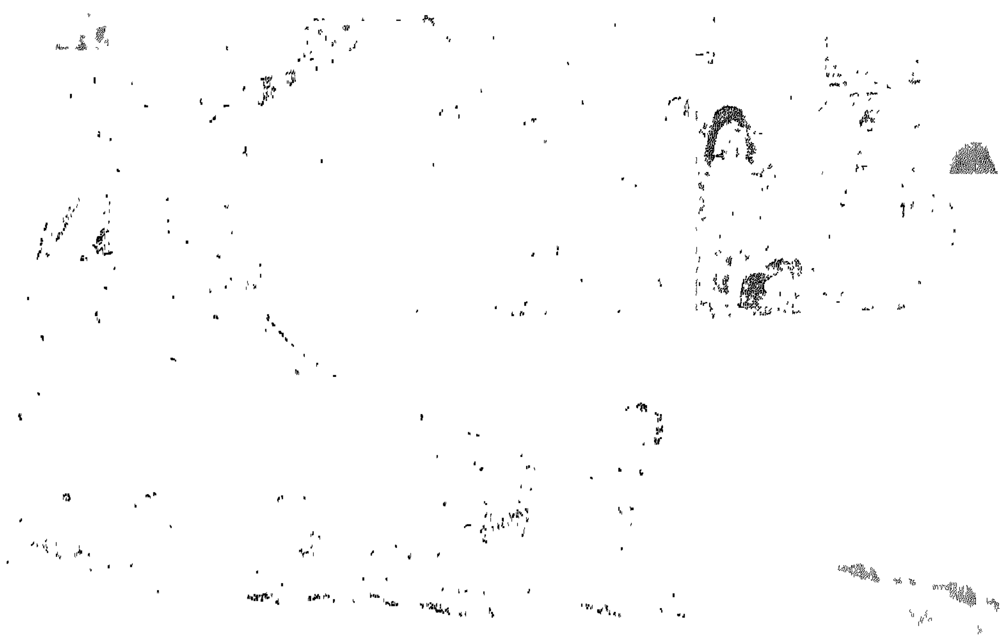
मदारी का तमाशा

शिक्षण बिंदु

सातत्य वर्तमान-

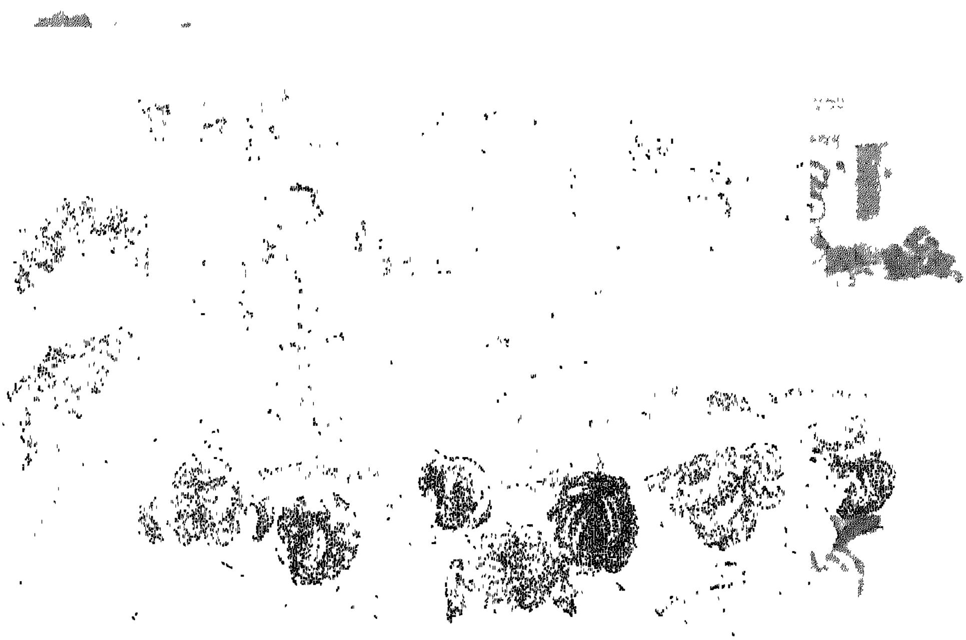
रहा है, रहे हैं, रही है, रही हैं।

मोहन और सुषमा अपने घर के सामने खड़े हैं। वे आपस में बातें कर रहे हैं। तभी उन्होंने एक मदारी को आते हुए देखा। मोहन ने खुश होकर सुषमा से कहा- सुषमा, इधर आओ। देखो मदारी आ रहा है।



उसके साथ एक लड़की है। बंदर और बंदरिया भी हैं। मदारी के हाथ में डुगडुगी है। यह देखकर सुषमा भी खुश हो गई और बोली- मोहन, वह देखो लड़की के हाथ में बाँसुरी भी है। और देखो बंदर के सिर पर लाल टोपी है। मदारी के कंधे पर एक झोला लटक रहा है।

मोहन ने सुषमा को बताते हुए कहा- तुमने देखा सुषमा, बंदर कितने मज़े से मदारी के आगे-आगे चल रहा है और बंदरिया उसके पीछे-पीछे चल रही है। उस लड़की को देखो, वह मदारी के साथ-साथ चल रही है। सुषमा ने ताली बजाते हुए कहा- अरे मोहन देखो, मदारी तमाशा दिखाना शुरू कर रहा है। लड़कियाँ भी तमाशा देख रही हैं। सुषमा भी खुश होकर बोली - मोहन देखो, मदारी डुगडुगी बजा रहा है और बंदरिया कैसे ठुमक-ठुमक कर नाच रही है। मोहन भी उछल पड़ा और बोला देखो सुषमा, बंदरिया के पैर के घुँघरू भी बज रहे हैं और सुनो लड़की कितना अच्छा गाना गा रही है। सुषमा बोली- मोहन, मदारी का खेल तो बड़ा मज़ेदार है। देखो सब बच्चे कितने खुश हैं। हँस रहे हैं और तालियाँ बजा रहे हैं।



अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

मदारी	बंदर	बंदरिया	डुगडुगी	बाँसुरी	सिर
टोपी	कंधा	झोला	तमाशा	हाथ	घुँघरू
बच्चा	तालियाँ	खेल	देखना	गाना	बजना
बजाना	नाचना	नचाना	हँसना	समाप्त	

के साथ-साथ, के हाथ में, के सिर पर, के कंधे पर,
के आगे आगे, के पीछे-पीछे, के हाथ में।

2. पढ़ो और समझो

पुल्लिंग			स्त्रीलिंग		
मैं		रहा हूँ।	मैं		रही हूँ।
तुम		रहे हो।	तुम		रही हो।
वह			वह		
राम	पुस्तक पढ़	रहा है।	गीता	पुस्तक पढ़	रही है।
हम			हम		
आप		रहे हैं।	आप		रही हैं।
वे			वे		
पिताजी			माताजी		

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

राघव **रोज़** स्कूल **जाता है।** (अभी) — राघव **अभी** स्कूल नहीं **जा रहा है।**

रघु प्रतिदिन दूध **पीता है।** (इस समय) — रघु **इस समय** चाय **पी रहा है।**

1. वे **रोज़** बाजार जाते हैं। (अभी)
2. हम **प्रतिदिन** कसरत करते हैं। (इस समय)
3. मेरा भाई **रोज़** यहाँ आता है। (अभी)
4. तुम **रोज़** कलम से लिखते हो। (इस समय)
5. गीता **प्रतिदिन** गाना गाती है। (इस समय)

4. नमूने के अनुसार वाक्य बनाओ

नमूना

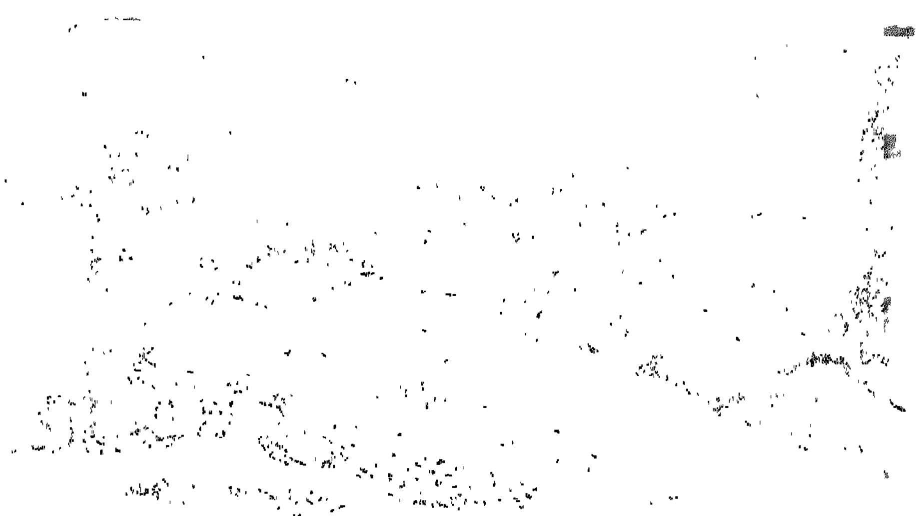
लड़की ----------------- । (चल)

लड़की **चल रही** है।

1. बंदरिया ------------- । (नाच)
2. बच्चे ---------------- । (हँस)
3. सब्जीवाला ------------ । (जा)
4. रमा गाना ------------ । (गा)
5. मेरा भाई ------------ । (पढ़)
6. शीला यहाँ ----------- । (आ)

5. चित्र को देखकर रहा हूँ, रहा है, रही है, रहे हैं, आदि सहायक क्रियाओं से पाँच वाक्य बनाओ, जैसे

सूरज चमक **रहा है।**



6. प्रश्नों के उत्तर दो

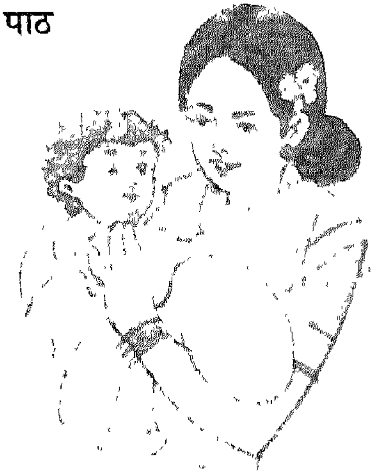
1. मदारी के साथ कौन है?
2. बंदर के सिर पर कैसी टोपी है?
3. बच्चे क्या देख रहे हैं?
4. कौन नाच रही है?
5. लड़कियाँ क्या कर रही हैं?

अनुक्रियाएँ

कक्षा में उपलब्ध सामग्री जैसे : **पंखा, खिड़की, दरवाजा, घड़ी, कलम** आदि की ओर संकेत करके संवाद वाक्य बनवाएँ, जैसे : **यह पंखा चल रहा है। वह पंखा नहीं चल रहा है।** आंगिक अभिनय द्वारा अध्यापक शिक्षण बिंदु का अभ्यास कराएँ, जैसे : एक विद्यार्थी हाव-भाव द्वारा **(बिना बोले) लिखना, पीना, दौड़ना, डराना** आदि व्यापार अभिनीत करे और शेष विद्यार्थी उसे देखकर वाक्य में बदल कर बोलें।

अठारहवाँ पाठ

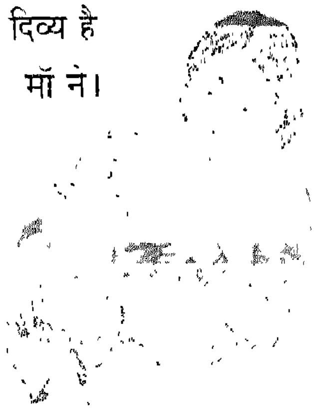
माँ



मानव हमें बनाया माँ ने
जीना हमें सिखाया माँ ने
अपने तन-मन से, प्राणों से
सारा जगत बनाया माँ ने।



वह जननी है, वह निर्माता
वह दुखहरणी, है सुखदाता
माँ का आँचल बहुत दिव्य है
बरसों दूध पिलाया माँ ने।



हँसकर कष्ट अकेले सहती
नहीं किसी से वह कुछ कहती
पाला - पोसा स्नेह हमें दे
सदा खिलाकर खाया माँ ने।



मंदिर, मस्ज़िद, ध्यान, नाम, जप
माँ का आदर सर्वश्रेष्ठ तप
वही विधाता, ईश्वर है वह
सुख की गोद सुलाया माँ ने।

कविता वाचक्नवी

शब्दार्थ

जननी	:	माँ, निर्माता, निर्माण करने वाली,
दुख हरणी	:	दुख हरने वाली
सुखदाता	:	सुख देने वाली
दिव्य	:	महान
कष्ट	:	दुख, तकलीफ़
स्नेह	:	प्रेम, ममता
ध्यान-नाम, जप	:	पूजा की विधियाँ
सर्वश्रेष्ठ	:	सबसे अच्छा
तप	:	तपस्या
विधाता	:	भाग्य बनाने वाला
तनमन से	:	जी जान से

भावार्थ

इस कविता में माँ की ममता और उसके त्याग की बात की गई है। माँ हमें मनुष्य बनाती है। अनेक दुख सहकर वह अपनी संतान को सुखी बनाती है । इसीलिए किसी भी पूजा से, किसी भी ईश्वर से माँ बड़ी है।

इस कविता के भाव को धरती माँ और भारत माता से जोड़कर भी समझा जा सकता है । धरती भी हमें अन्न देने के लिए अनेक कष्ट सहती है। हमारी भूमि भी हमारे लिए माँ की तरह ही पूजनीय है। इसीलिए मातृभूमि की पूजा या अपने देश के प्रति प्रेम सारी पूजाओं से बढ़कर है।

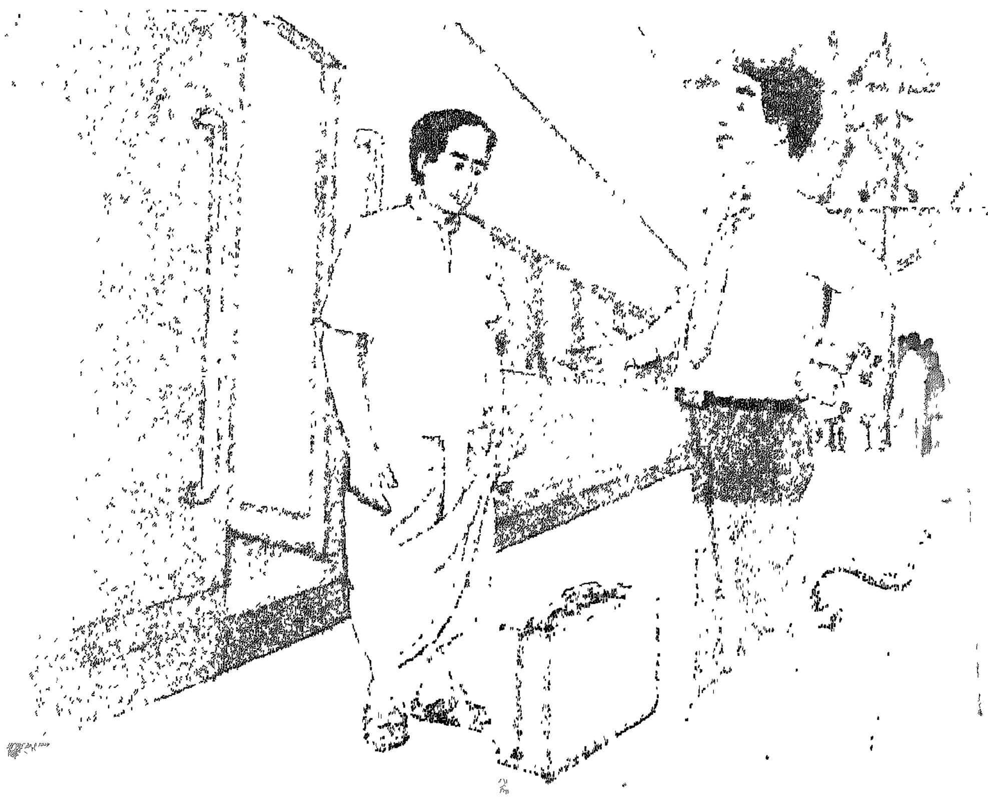
उन्नीसवाँ पाठ

ईश्वरचंद्र

शिक्षण बिंदु

सामान्य भूत : था, उतरा, आया, बोला

ईश्वरचंद्र विद्यासागर प्रसिद्ध विद्वान और समाज सुधारक थे। वे बंगाल के थे। बंगाल में उनकी बहुत इज्ज़त थी। एक दिन एक युवक उनसे मिलने उनके गाँव मिदनापुर आया। वह रेलगाड़ी से स्टेशन पर उतरा उसके पास एक सूटकेस था। स्टेशन पर कुली नहीं था। वह युवक गुस्से से बोला, "यह अजीब स्टेशन है? यहाँ एक भी कुली नहीं है।" उसी गाड़ी



से एक और आदमी उतरा। वह बहुत सादी पोशाक में था। वह आधी बाँह का कुरता-धोती और चप्पल पहने था। वह आदमी युवक के पास आया और बोला "क्या बात है भाई?" युवक ने कहा, "इस स्टेशन पर कुली नहीं है। मेरे पास यह सामान है। तब वह आदमी बोला, "लाइए मैं आपका सामान उठा लूँ।"

युवक स्टेशन से बाहर आया और उस आदमी से बोला, "ये लो पैसे" उस आदमी ने कहा, "मुझे पैसे नहीं चाहिए।" वहाँ कई बैलगाड़ियाँ खड़ी थीं। युवक एक बैलगाड़ी में बैठा।

दूसरे दिन सवेरे वह युवक ईश्वरचंद्र के घर पहुँचा। वहाँ वही आदमी मौज़ूद था जिसने कल उसका सामान उठाया था। युवक बोला, "क्या विद्यासागर जी यहीं रहते हैं?" जवाब मिला, "जी हाँ, आइए अंदर बैठिए।" युवक ने पूछा 'विद्यासागर जी कहाँ हैं?"

"मैं ही विद्यासागर हूँ।" जवाब मिला।

युवक को बहुत शर्म आई। उसने विद्यासागर जी से माफी माँगी और कहा कल मुझसे बहुत भूल हुई। अब मैं समझ गया कि कोई काम बड़ा या छोटा नहीं होता। अपना काम खुद करना चाहिए।

---

* अध्यापक विद्यार्थियों को यह समझाए कि **आदरार्थक प्रयोग** होने पर **क्रिया बहुवचन** में परिवर्तित हो जाएगी तथा **सर्वनाम भी बहुवचन** में होगा।

अभ्यास

1. पढ़ो ओर बोलो

ईश्वरचंद्र	विद्यासागर	मिदनापुर	युवक	सूटकेस	स्टेशन
कुली	पोशाक	कुरता	धोती	गुस्सा	धन्यवाद
शर्म	भूल	चप्पल	जवाब	माफ़ी	सामान
विद्वान	समाज सुधारक	सादा	मौज़ूद	बैलगाड़ी	इंजन

2. तालिका में से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

क.



मैं	आज	बाज़ार	गया।
	कल	स्कूल	
	परसों	अस्पताल	
		चिड़ियाघर	
		मंदिर	



मैं	आज	बाज़ार	गई।
	कल	स्कूल	
	परसों	अस्पताल	
		चिड़ियाघर	
		मंदिर	

ख.



मैं	आज	बाज़ार	गया था।
हम	कल	स्कूल	गए थे।
तुम	परसों	अस्पताल	
आप		चिड़ियाघर	
		मंदिर	



मैं		बाज़ार	गई थी।
	आज	स्कूल	
हम	कल	अस्पताल	गई थीं।
तुम	परसों	मंदिर	
आप			

3. नमूने के अनुसार कोष्ठक में से शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो

क. **नमूना**

राम कुर्सी पर.... है। राम कुर्सी पर **बैठा** है।

(बैठा, बैठे, लेटे, खड़े, खड़ी)

1. श्री निवास जी बिस्तर पर --------- हैं।
2. माताजी कार के पास-------------- हैं।
3. बंदर छत पर---------------------- है।
4. कुछ बच्चे भी वहाँ---------------- हैं।
5. तुम यहाँ क्या ------------------- हो?

ख. **नमूना**

राघव **अभी** कमरे में बैठा है। राघव **पहले से** कमरे में बैठा था।

1. रहमान इस समय दरवाज़े पर खड़ा है।

----

2. सलमा अभी कुरसी पर बैठी है।

----

3. अकबर अभी चारपाई पर लेटा है।

----

4. मोहन इस समय पेड़ के नीचे बैठा है।

----

5. शीला अभी पेड़ के नीचे खड़ी है।

ग. **नमूना**

गाड़ी प्लेटफॉर्म पर **खड़ी होती** है। गाड़ी प्लेटफॉर्म पर **खड़ी हुई** है।

1. फूलवाली वहाँ खड़ी होती है।---------------------
2. सब्जीवाला गली में खड़ा होता है-----------------
3. दूधवाला दरवाजे पर खड़ा होता है। --------------
4. बस गली में खड़ी होती है। ----------------------
5. रूपा लाइन में खड़ी होती है। -------------------

4. कैलेंडर देख कर नमूने के अनुसार रिक्त स्थानों की पूर्ति करो

नमूना

पंद्रह तारीख को --------है।

पंद्रह तारीख को **रविवार** है।

1. बीस तारीख को --------------- है।
2. ---------------को एक तारीख है।
3. पच्चीस तारीख को------------- है।
4. -------------- को तीस तारीख है।
5. दूसरा शनिवार -------तारीख को है।

मार्च

रविवार	1	8	15	22	29
सोमवार	2	9	16	23	30
मंगलवार	3	10	17	24	31
बुधवार	4	11	18	25	
बृहस्पतिवार	5	12	19	26	
शुक्रवार	6	13	20	27	
शनिवार	7	14	21	28	

5. प्रश्नों के उत्तर दो

1. ईश्वरचंद्र विद्यासागर कौन थे?
2. युवक का सामान उठाने वाले कौन थे?
3. स्टेशन के बाहर युवक किस गाड़ी में बैठा?
4. दूसरे दिन युवक ने विद्यासागर से मिलने पर क्या कहा?
5. ईश्वरचंद्र विद्यासागर वाले पाठ से तुमने क्या सीखा?

बीसवाँ पाठ

तोड़ो नहीं, जोड़ो

शिक्षण बिंदु

1. सामान्य नित्य भूत : -ता था/-ते थे, -ती थी/-ती थीं
2. संयुक्त क्रिया प्रयोग : समझ गया, आ गया
3. 'ने' संरचना का प्रयोग

अंगुलिमाल एक डाकू था। वह जंगल में रहता था। वह लोगों को मार देता और उनकी उँगलियाँ काट लेता था। वह उन उँगलियों की माला बनाकर पहनता था। इसलिए लोग उसे अंगुलिमाल कहते थे। सभी लोग उससे बहुत डरते थे और जंगल में नहीं जाते थे।

एक बार भगवान बुद्ध उस जंगल में आए। लोगों ने उन्हें अंगुलिमाल के बारे में बताया और उनसे प्रार्थना की, "आप यहाँ से चले जाइए।"

भगवान बुद्ध ने लोगों की बातें सुनीं पर वे डरे नहीं। वे जंगल में ही रहे।

अंगुलिमाल को इसका पता चला। उसे बहुत गुस्सा आया। वह बुद्ध के पास आया। भगवान बुद्ध ने मुस्कराकर प्यार से उसका स्वागत किया। यह अंगुलिमाल के लिए एक नई बात थी।

भगवान बुद्ध ने उससे कहा, "भाई! सामने के पेड़ से चार पत्ते तोड़ लाओ।" अंगुलिमाल ने पत्ते तोड़े और ले आया। बुद्ध ने कहा, "अब एक काम और करो। जहाँ से इन पत्तों को तोड़ा है, इन्हें वहीं लगा आओ।"

अंगुलिमाल बोला- "यह कैसे हो सकता है?" बुद्ध ने कहा, "तुम जानते हो कि जो तोड़ लिया वह जुड़ता नहीं। फिर तुम तोड़ने का काम क्यों करते हो? लोगों की उँगलियाँ क्यों काटते हो?"

अंगुलिमाल बुद्ध की बात समझ गया और उनकी शरण में आ गया। उसने लोगों को मारना छोड़ दिया।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

जोड़ो	तोड़ो	छोड़ो	डर	डोर	निडर
बुद्ध	शुद्ध	युद्ध	भगवान	पकवान	धनवान
गुस्सा	हिस्सा	किस्सा	शरण	चरण	हिरण
पत्ता	गत्ता	डाकू	प्रार्थना	जंगल	स्वागत

2. पढ़ो और समझो

आना × जाना

हँसना × रोना

जोड़ना × तोड़ना

3. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

पहले मैं गाँव में रहता **था**।

अब मैं शहर में रहता **हूँ**।

1. पहले राघवन फुटबाल खेलता था। (क्रिकेट)

   ----

2. पहले सुषमा गाना सीखती थी। (नृत्य)

   ----

3. पहले वे चाय पीते थे। (दूध)

   ----

4. पहले हम गाँव की पाठशाला में पढ़ते थे। (जवाहर नवोदय विद्यालय)

   ----

4. कोष्ठक में दी गई क्रियाओं से नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

क. **नमूना**

(समझना - समझ जाना - समझ गया)

मैं आपकी बात समझ गया।

(हो गया/हो गई/हो गईं, बैठ गया/बैठ गई/बैठ गए, ठहर गया/ठहर गई, सींच गया/सींच गई, रह गया/रह गई)

1. मेरा काम अधूरा ------------------------
2. रसोइया खाना --------------------------
3. माली पौधों को -------------------------
4. वह रास्ते में ही ------------------------
5. सभी विद्यार्थी अपनी-अपनी सीट पर ----
6. दीवाली की छुट्टियाँ --------------------
7. रंजना बीमार ----------------------------

ख. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

मैं पुस्तक **पढ़ता हूँ।** मैंने पुस्तक **पढ़ी।**

1. मैं पतंग उड़ाता हूँ।-------------------
2. मैं हिंदी सीखता हूँ।-------------------
3. शीला मिठाई खाती है। ----------------

शिक्षण संकेत

- अध्यापक विद्यार्थियों को समझाएँ कि **'जाना'** क्रिया का भूतकाल रूप **गया/गए/गई/गईं** होता है। अध्यापक **'ने'** संरचना के बारे में विद्यार्थियों को बताएँ कि इस संरचना में क्रिया का कर्म, लिंग, वचन के अनुसार रूप बदलता है।

ग. **नमूना**

मैं दूध **पीता** हूँ। मैंने दूध **पिया**।

1. मैं चित्र बनाता हूँ। ---------------
2. धोबी कपड़े धोता है। ---------------
3. रसोइया खाना बनाता है। ---------------

घ. **नमूना**

ललिता **रोज़** नौ बजे **सो जाती** है।

आज वह आठ बजे **सो गई**।

1. श्रीनिवासन रोज़ सात बजे स्कूल जाता है। (दस बजे)

   ----

2. अखबार रोज़ सुबह ग्यारह बजे आ जाता है। (बारह बजे)

   ----

3. सुनीता रोज़ सुबह नहाती है। (शाम को)

ङ. **नमूना**

बुद्ध ने अंगुलिमाल से कहा, "फूल **तोड़ लाओ**।"

अंगुलिमाल फूल **तोड़ लाया**।

1. माँ ने बेटी से कहा, "पानी भर लाओ।"

   -- ।

2. अध्यापक ने छात्र से कहा, "कुर्सी उठा लाओ।"

   -- ।

3. मालिक ने नौकर से कहा, "दीवार से चित्र उतार लाओ।"

----

4. भाई ने छोटी बहन से कहा, "यह गिलास धो लाओ।"

----

5. प्रश्नों के उत्तर दो

1. अंगुलिमाल कौन था?
2. डाकू को अंगुलिमाल क्यों कहते थे?
3. अंगुलिमाल को गुस्सा क्यों आया?
4. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल का स्वागत कैसे किया?
5. भगवान बुद्ध ने अंगुलिमाल से क्या तोड़ लाने को कहा?

विद्‌यार्थी 1 से 20 तक की हिंदी गिनती (**एक, दो, तीन, चार, पाँच, छह, सात, आठ, नौ, दस, ग्यारह, बारह, तेरह, चौदह, पंद्रह, सोलह, सत्रह, अट्‌ठारह, उन्नीस, बीस**) का अभ्यास करें।

विद्‌यार्थी **सुबह, दिन में, दोपहर में, तीसरे पहर, शाम को, रात में** क्रिया विशेषणों का एक-एक वाक्य बनाकर अध्यापक को दिखाएँ।

इक्कीसवाँ पाठ

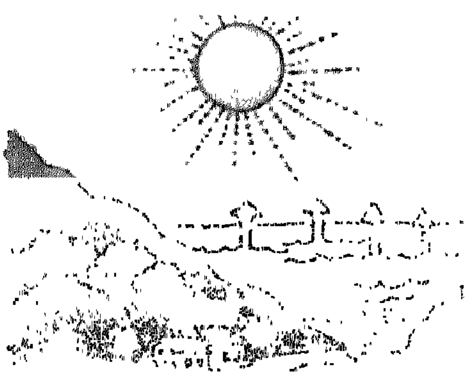
बादल पानी बरसाता है



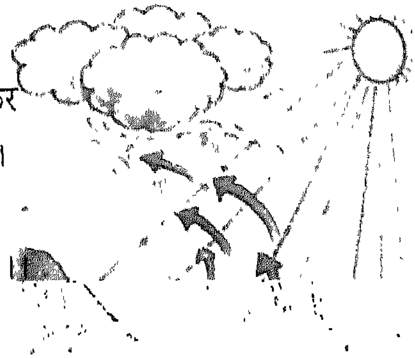
बारिश के मौसम में देखो
उमड़-उमड़कर बादल आते।
गरज-गरजकर चमक-चमककर
रिमझिम-रिमझिम जल बरसाते।।

ये बादल कैसे बनते हैं ?
कैसे ये उपर उठते हैं ?
फिर कैसे बरसाते पानी ?
इसकी भी है एक कहानी।।

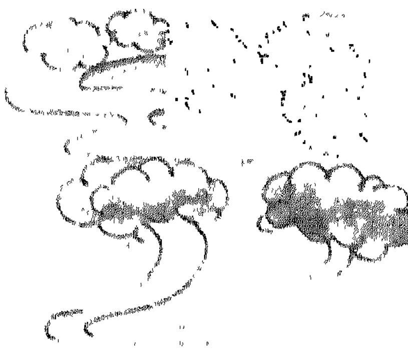




गरमी का मौसम आता है
चलती दिन भर गरम हवाएँ।
पानी की लहरों को छूकर
ये पानी को भाप बनाएँ ।।



किरणों की सीढ़ी पर चढ़कर
भाप गगन में है थम जाती ।
धीरे-धीरे, जमते-जमते
यही भाप बादल बन जाती ।



इस बादल को तेज हवाएँ
बहुत दूर तक ले जाती हैं।
नील गगन में ठंडक पाकर,
ये बादल को बरसाती हैं ।



रिमझिम-रिमझिम पानी बरसे
घना अँधेरा छा जाता है ।
चमचम-चमचम बिजली चमके
बादल पानी बरसाता है।।

सुरेश पांडेय

शब्दार्थ

बारिश	:	बरसात, वर्षा
उमड़-उमड़कर	:	चक्कर लगाकर
रिमझिम-रिमझिम	:	हल्की-हल्की बरसात, लगातार धीरे-धीरे बरसना
भाप	:	वाष्प, पानी को गरम करने से जो भाप ऊपर उठती है।
लहर	:	पानी की लहर, तरंग
गगन	:	आकाश, आसमान
नील गगन	:	नीला आकाश, नीले रंग का आसमान

भावार्थ

इस कविता में यह बताया गया है कि बरसात कैसे होती है ? गरम हवाएँ पानी को जब भाप बना देती हैं तो भाप ऊपर उठती है और धीरे-धीरे आकाश में जमने लगती है। यही भाप बादल का रूप ले लेती है। इन बादलों को तेज़ हवाएँ आकाश में बहुत ऊपर तक ले जाती हैं। नीले आकाश में जब उसे ठंडा वातावरण मिलता है तो वही बादल पानी के रूप में बरसने लगता है।

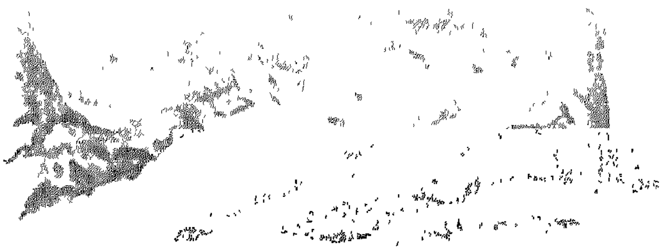
इस कविता में कवि ने पानी को भाप में बदलने, फिर ऊपर उठकर बादल के रूप में जमने, बहुत ऊपर तक बादलों के चक्कर काटने तथा फिर पानी के रूप में बरसने की पूरी प्रक्रिया का वर्णन किया है। इसमें कवि ने बरसात के मौसम की बारिश का वर्णन किया है।

बाईसवाँ पाठ

पत्र

शिक्षण बिंदु

हम गए हैं/हमने देखा



पता : - - - - - -

- - - - - - चेन्नई

तारीख - - - - -

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

हम यहाँ सकुशल पहुँच गए हैं । हमारी यात्रा बहुत अच्छी रही। हमारे अध्यापकों ने हमारा बहुत ध्यान रखा। यहाँ मौसम अच्छा है। आज हमने 'स्नेक पार्क' देखा। हम 'बर्मा बाज़ार' और 'चाइना बाज़ार' भी घूमे। उसके बाद हम 'महाबलीपुरम्' गए। वहाँ हमने समुद्र और मंदिर देखा। कल हम 'मरीना बीच' जाएँगे। यहाँ हम बहुत खुश हैं, आप चिंता न करें। हम 25 तारीख को जयपुर पहुँच जाएँगे। आजकल चाचा जी यहाँ नहीं हैं। वे हैदराबाद गए हैं। वे सोमवार, 30 तारीख को आ रहे हैं।

माताजी को मेरा प्रणाम और राजू भैया को बहुत प्यार।

आपकी पुत्री

लता

(अंतर्देशीय पत्र)	टिकट
	4:00
सेवा मे	
श्री मोहन लाल	
1/20, छोटी सदरी	
चौड़ा रास्ता, जयपुर (राज.)	
पिन - - - - - - -	

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

पूज्य	राज्य	ज़्यादा	सकुशल
मौसम	मौसी	मौसमी	समुद्र
ध्यान	अध्यापक	अध्याय	मंदिर
पत्र	यंत्र	यात्रा	प्रणाम

2. पढ़ो और समझो

प्रणाम : पिताजी को प्रणाम ।
गुरुजी को प्रणाम ।
माताजी को प्रणाम।

नमस्कार : चाचाजी को नमस्कार ।
भैया को नमस्कार।

प्यार : छोटे भाई-बहनों को प्यार ।

3. तालिका के प्रत्येक कालम से एक-एक शब्द लेकर वाक्य बनाओ

मोहन पीटर रहमान		गया है
लीज़ा राधा लड़की	मुंबई चेन्नई पुणे	गई है
बच्चे पिताजी		गए हैं ।
लड़कियाँ माताजी		गई हैं

4. तालिका के प्रत्येक कालम से शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

क.

मैंने हमने	चेन्नई में हैदराबाद में	अजायबघर	देखा
तुमने आपने		सिनेमा	देखा ?
उसने शीला ने मोहन ने	केरल में	किला समुद्र तट	देखा

ख. तालिका के प्रत्येक कालम से सही शब्द चुनकर वाक्य बनाओ

आज मैं (पुं.)	पेंसिल किताब	नहीं लाया हूँ
आज मैं (स्त्री.)	कापी रूमाल	नहीं लाई हूँ।

ग. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

हम रोज़ बाज़ार **जाते हैं**।

हम कल बाज़ार **गए**।

1. बच्चे रोज़ सुबह खेलने जाते हैं। ---------------------------
2. शीला राज़ नौ बजे सोती है। ---------------------------
3. सुरेश रोज़ सुबह पाँच बजे उठता है। ---------------------------
4. वह रोज़ टहलने जाता है। ---------------------------

5. नमूने के अनुसार उत्तर दो

नमूना

क्या तुम मेरी किताब **लाए** हो? (कॉपी)

मैं किताब नहीं, कॉपी **लाया** हूँ।

1. क्या आप लोग मेरा गिफ्ट लाए हैं? (टाफी)
2. क्या तुम टिफ़िन में दोसा लाए हो? (पूरी)
3. क्या तुम अपनी गुड़िया लाई हो? (मोटर)
4. क्या आप मेरी फ्राक लाई हैं? (चप्पल)

6. प्रश्नों के उत्तर दो

1. यह पत्र कहाँ से आया है?
2. चेन्नई में कौन-कौन से दर्शनीय स्थल हैं?
3. महाबलीपुरम में क्या-क्या देखा?
4. चाचा जी कहाँ गए हैं?
5. चाचा जी वापस कब आ रहे हैं?

अनुकार्य

विद्यार्थी, मित्रों, परिवार के सदस्यों, सगे संबंधियों, रिश्तेदारों द्वारा भेजे गए पत्रों को पढ़ें, अलग-अलग प्रकार के संबोधनों और अभिवादनों पर ध्यान दें। विद्यार्थी अपने मित्र, चचेरे भाई-बहन को दीवाली, होली, ईद और क्रिसमस पर आने के लिए पत्र लिखें और लिफ़ाफ़ा तैयार करें।

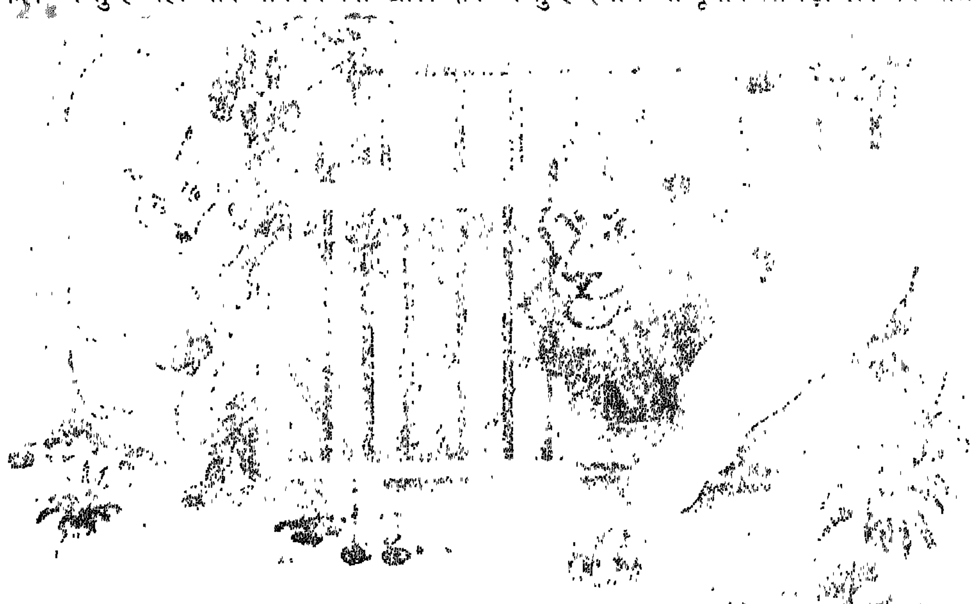
तेईसवाँ पाठ

शेर और लोमड़ी

शिक्षण बिंदु

चाहता है, था
सकता है, था

एक बार कुछ शिकारी जंगल में घूम रहे थे। वे एक शेर पकड़ना चाहते थे। उन्होंने एक जगह एक बड़ा पिंजरा रख दिया और उस पिंजरे में एक बकरी को बाँध दिया। बकरी की आवाज सुनकर शेर वहाँ आया। वह पिंजरे में घुसा, तभी पिंजरा बंद हो गया। अब शेर बाहर नहीं निकल सकता था। वह पिंजरे में इधर-उधर घूमने लगा। तभी वहाँ एक लोमड़ी आई। शेर ने लोमड़ी को पुकारा और कहा-बहन, आओ, यहाँ आओ। मैं इस पिंजरे से बाहर निकलना चाहता हूँ। तुम इसे खोल दो। लोमड़ी बोली- महाराज ! मैं ऐसा नहीं कर सकती, आप बाहर निकलकर मुझे मार डालेंगे। मैं मरना नहीं चाहती। शेर ने लोमड़ी को भरोसा दिलाते हुए कहा- मैं तुम्हें नहीं मारूँगा। पिंजरा खोल दो। मैं तुम्हें इनाम भी दूँगा। लोमड़ी शेर की बातों



में आ गई और बोली- ठीक है। मैं पिंजरा खोलती हूँ लेकिन तुम मुझे मारना नहीं।

लोमड़ी ने पिंजरा खोल दिया। शेर बाहर निकल आया। बाहर निकलते ही उसने लोमड़ी को पकड़ लिया। लोमड़ी चिल्लाई-बचाओ, बचाओ। तभी वहाँ से एक आदमी जाते हुए दिखाई पड़ा। लोमड़ी ने उसे बुलाया-भाई, जरा यहाँ आओ। देखो मैंने इस शेर को बचाया है। अब यही मुझे मारना चाहता है। यह सुनकर आदमी को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा- तुमने शेर को बचाया, यह तो हो ही नहीं सकता। लोमड़ी ने पूरी कहानी बताते हुए कहा कि शेर इस पिंजरे में बंद था। इसने मुझे इनाम देने का लालच दिया और कहा कि पिंजरे से बाहर आने पर मुझे मारेगा नही। पर जब मैंने पिंजरा खोला तो इसने मुझे पकड़ लिया। अब यह मुझे मारना चाहता है। अब आप ही मुझे बचाइए। आदमी ने बड़ी चालाकी से शेर से कहा- क्या यह लोमड़ी सच बोल रही है? आप पिंजरे में बंद थे, यह मैं मान ही नहीं सकता। आप भला इस छोटे से पिंजरे में कैसे बंद हो सकते हैं? शेर ने कहा- लोमड़ी ठीक कहती है। लेकिन मैं इसे छोड़ूँगा नहीं क्योंकि मुझे भूख लगी है। फिर भी मैं पिंजरे में बंद होकर दिखा सकता हूँ। आदमी ने कहा- ठीक है।

शेर पिंजरे में चला गया। आदमी ने जल्दी से पिंजरे का दरवाज़ा बंद कर दिया। अब शेर कुछ भी नहीं कर सकता था, केवल पछता सकता था। लोमड़ी ने आदमी को धन्यवाद दिया और जंगल में चली गई।



अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

शेर	पिंजरा	बकरी	लोमड़ी	दरवाज़ा
फैसला	इनाम	पकड़ना	सकना	चाहना
बाँधना	घुसना	पुकारना	खोलना	चिल्लाना
इधर-उधर	महाराज	भरोसा	भूख	धन्यवाद

2. पढ़ो और समझो

	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं	पकड़ सकता हूँ ।	पकड़ सकती हूँ।
तुम	पकड़ना चाहता हूँ। खोल सकते हो।	पकड़ना चाहती हूँ। खोल सकती हो।
वह	खोलना चाहते हो। घुस सकता है। घुसना चाहता है।	खोलना चाहती हो। घुस सकती है। घुसना चाहती है।
हम आप वे	चिल्ला सकते हैं। चिल्लाना चाहते हैं।	चिल्ला सकती हैं। चिल्लाना चाहती हैं।

3. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

वह............ । (हिंदी बोलना)

------> वह हिंदी **बोल सकता** है

(साइकिल चलाना, तस्वीर बनाना, गाना गाना, क्रिकेट खेलना, हिंदी पढ़ना, तैरना)

1. मैं ------------------------------------ ।
2. क्या तुम ----------------------------- ?
3. मेरे पिताजी---------------------------- ।
3. चाचीजी, क्या आप------------------- ?
5. हम लोग ------------------------------ ।
6. मेरी बहन ---------------------------- ।

4. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना
चीता तेज़ दौड़ सकता है, लेकिन कछुआ------ ।
चीता तेज **दौड़ सकता है,** लेकिन कछुआ **दौड़ नहीं सकता।**

1. चिड़ियाँ उड़ सकती हैं, लेकिन आदमी ------------------------ ।
2. आदमी बोल सकता है, लेकिन पशु --------------------------- ।
3. उल्लू रात को देख सकता है, लेकिन चमगादड़--------------- ।
4. चिड़ियाँ घोंसला बना सकती हैं, लेकिन बंदर------------------ ।
5. कोयल गा सकती है, लेकिन कौआ --------------------------- ।

5. कोष्ठक में से शब्द चुनकर नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना
वह -------------- । (हिंदी सीखना)
वह हिंदी सीखना **चाहता है।**

(फिल्म देखना, सोना, शतरंज खेलना, विदेश जाना, संगीत सीखना, दूध पीना)

1. मैं --------------------------- । 4. मेरा भाई-------------------- ।

2. हम लोग------------------------। 5. क्या तुम------------------।

3. पिता जी, क्या आप------------। 6. मेरी छोटी बहन-------------।

6. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

मैं घर जाना चाहता था, लेकिन------।

मैं घर जाना चाहता था, लेकिन **नहीं जा सकता।**

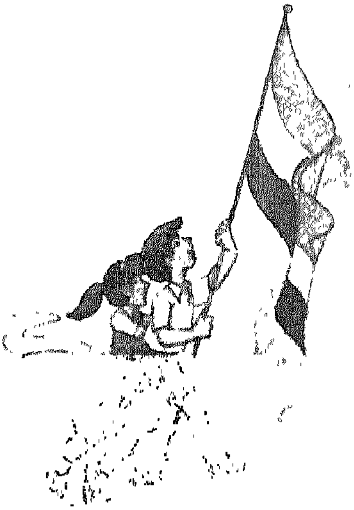
1. मैं मिठाई खाना चाहता था , लेकिन----------------।
2. वह फुटबाल खेलना चाहता था, लेकिन--------------।
3. बच्चे सिनेमा जाना चाहते थे, लेकिन --------------।
4. शीला साड़ी खरीदना चाहती थी, लेकिन------------।
5. हम सब किला देखना चाहते थे, लेकिन------------।

7. प्रश्नो के उत्तर दो

1. शेर को कौन पकड़ना चाहता था?
2. शेर किसकी आवाज सुनकर पिंजरे के पास आया?
3. पिंजरे को किसने खोला?
4. आदमी ने किसे बचाया?
5. लोमड़ी ने आदमी को धन्यवाद क्यों दिया?

अनुकार्य

विद्यार्थी आने वाली छुट्टियों में क्या करना चाहते हैं, इसकी चर्चा करें।

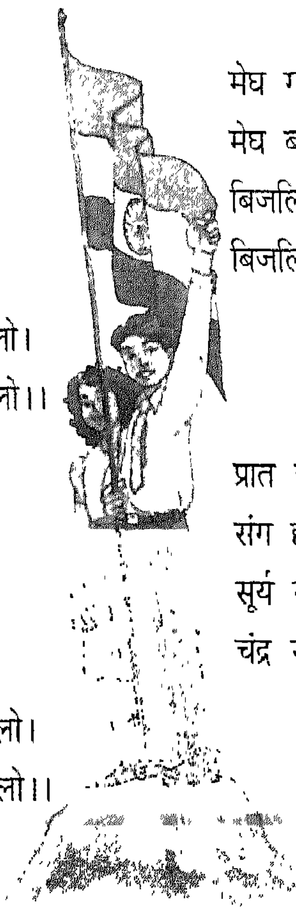


चौबीसवाँ पाठ

बढ़े चलो



वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।



हाथ में ध्वजा रहे,
बाल-दल सजा रहे,
ध्वज कभी झुके नहीं,
दल कभी रुके नहीं।

वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।

सामने पहाड़ हो,
सिंह की दहाड़ हो,
तुम निडर, हटो नहीं,
तुम निडर, डटो वहीं।

वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।

मेघ गरजते रहें,
मेघ बरसते रहें,
बिजलियाँ कड़क उठें,
बिजलियाँ तड़क उठें।

वीर, तुम बढ़े चलो।
धीर, तुम बढ़े चलो।।

प्रात हो कि रात हो,
संग हो न साथ हो,
सूर्य से बढ़े चलो,
चंद्र से बढ़े चलो ।

वीर, तुम बढ़े चलो ।
धीर, तुम बढ़े चलो ।।

द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

शब्दार्थ

वीर	:	वीर पुरुष, साहसी
धीर	:	धैर्यवान
ध्वजा	:	झंडा
निडर	:	जो किसी से नहीं डरता
डटो	:	पीछे मत हटो
कड़क-तड़क	:	बिजलियों के कड़कने की आवाज़
प्रात	:	सुबह

भावार्थ

यह एक प्रयाण गीत है। कवि कहता है कि हे वीर, धीर! तुम आगे बढ़ो। हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बिना रुके बढ़ते रहो। चाहे सामने पहाड़ हो या सिंह गरज रहा हो, बिल्कुल डरो नहीं, डटकर सामना करो और आगे बढ़ो। चाहे बादल गरज रहे हों, बिजलियाँ कड़क रही हों, सुबह हो या रात, कोई साथ में हो या न हो, सूर्य और चंद्रमा के समान आगे बढ़ते रहो। इसमें कवि ने पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ने की बात की है। लगातार चलने से मुश्किलें भी आसान हो जाती हैं।

पच्चीसवाँ पाठ

[illegible]

शिक्षण बिंदु

[illegible]



वेंकटेश : पिताजी, दशहरे की छुट्टियों में हम मैसूर जाएँगे ।

पिताजी : ठीक है। हम मैसूर चलेंगे। वहाँ हम दशहरा देखेंगे और वृंदावन गार्डन भी घूमेंगे ।

माताजी : आजकल तो रेलगाड़ी में बहुत भीड़ होगी।

पिताजी : तो क्या हुआ, हम पहले से टिकट खरीद लेंगे । तुम यात्रा की तैयारी करो। देखो सामान कम रखना। ज्यादा सामान से परेशानी होगी ।



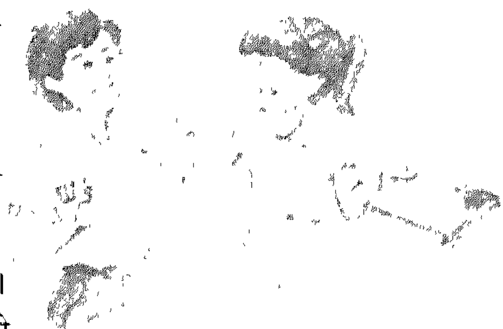
माताजी : चार-पाँच दिन के लिए सबके कपड़े चाहिए । बिस्तर भी चाहिए। खाना, पानी सब कुछ चाहिए । फिर सामान कम कैसे हो सकता है?

(पिताजी रेलगाड़ी के टिकट खरीद लाए । माताजी और बच्चे यात्रा की तैयारी करने लगे।)

माताजी : बच्चो, अपने-अपने कपड़े लाओ। सूटकेस में रखें।

वेंकटेश : ये तौलिये और चादर कहाँ रखेंगे माँ ?

माताजी : इस बैग में रखेंगे और खाना दूसरे बैग में रखेंगे।



वेंकटेश : हम पानी का जग भी ले जाएँगे न?

गौरी : हाँ, ले जाएँगे। गाड़ी में पढ़ने के लिए कहानी की किताबें भी ले जाएँगे ।

वेंकटेश : यह कैमरा भी रख लो ।

गौरी : माँ हम घर की चाबी किसे देंगे ?

माताजी : मिसेज वर्मा को दे देंगे बेटी।

वेंकटेश : मैं सुबह टैक्सी ले आऊँगा, उसी से स्टेशन चलेंगे।

गौरी : तब तो हम आराम से स्टेशन पहुँच जाएँगे।

अभ्यास

1. पढ़ो और बोलो

छुट्टियाँ	वृंदावन गार्डन	भीड़	तौलिया	बिस्तर
घूमना	खरीदना	चाहिए	आराम से	चाबी

2. तालिका के प्रत्येक कालम से एक-एक शब्द लेकर वाक्य बनाओ

क.

		पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं		जाऊँगा, करूँगा	जाऊँगी, करूँगी
तुम		जाओगे, करोगे	जाओगी, करोगी
वह	घर	जाएगा, करेगा	जाएगी, करेगी
हम आप वे	काम	जाएँगे, करेंगे	जाएँगी, करेंगी

ख.

वेंकटेश गौरी पिताजी माताजी लड़कियाँ	मैसूर दिल्ली	जाएगा जाएगी जाएँगे जाएँगी जाएँगी

3. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

गोपाल दिल्ली ... **(जाना)**

गोपाल दिल्ली **जाएगा**।

1. मीरा दिल्ली ------------------ (जाना)
2. गणेश कैमरा ----------------- (लाना)
3. माताजी खाना --------------- (बनाना)
4. पिताजी टिकट ------------- (खरीदना)
5. बच्चे मैसूर ------------------- (जाना)

4. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

सोहन, थोड़ी देर .... **(रुकना)**

सोहन, थोडी देर **रुक जाना**।

1. मोहन, स्कूल से जल्दी वापस -------------- (आना)
2. मैं बोलता हूँ, तुम ------------------------- (लिखना)
3. मीरा बाज़ार से एक किलो चीनी --------- (लाना)
4. पिताजी, यह बाक्स ऊपर ---------------- (रखना)

5. नमूने के अनुसार वाक्य पूरे करो

नमूना

हम कैमरा ... **(ले जाना)**

हम कैमरा **ले जाएँगे।**

1. मैं अभी टैक्सी------------------------(ले आना)
2. वे सात बजे स्टेशन-----------------(पहुँच जाना)
3. शीला घर के लिए फल -------------- (दे जाना)

6. नमूने के अनुसार वाक्य बदलो

नमूना

मेले में रोज़ बहुत भीड़ **होती है।** कल मेले में बहुत भीड़ **होगी।**

1. इस शहर में रोज़ बहुत बारिश होती है। कल-----------------------
2. कला भवन में रोज़ हिंदी नाटक होता है। कल ----------------------
3. यह दुकान रोज़ रात को नौ बजे बंद होती है। कल-----------------

7. प्रश्नों के उत्तर दो

1. वेंकटेश का परिवार कितने दिन के लिए मैसूर जा रहा है ?
2. गौरी पढ़ने के लिए क्या रखना चाहती है ?
3. वेंकटेश सुबह क्या ले आएगा ?
4. रेलगाड़ी का टिकट कौन खरीद कर लाया ?
5. वेंकटेश अपने साथ क्या ले जाना चाहता है ?

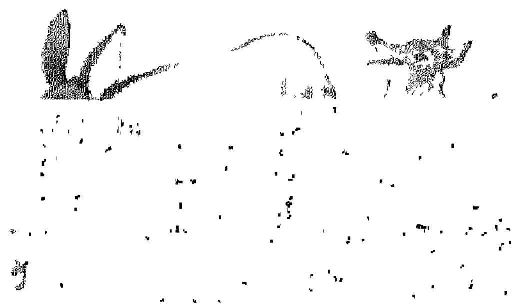
अनुकार्य

विद्यार्थी शैक्षिक टूर/पिकनिक पर जाने की योजना पर चर्चा करें और सभी विद्यार्थियों की राय लें।

किसी दर्शनीय स्थल या शहर के बारे में वर्णन करें।

छब्बीसवाँ पाठ

गायक गधा और चतुर सियार



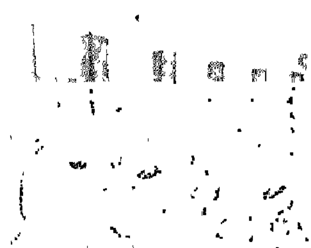
गधा और सियार दोस्त थे,
दोनों मिलकर रहते थे।



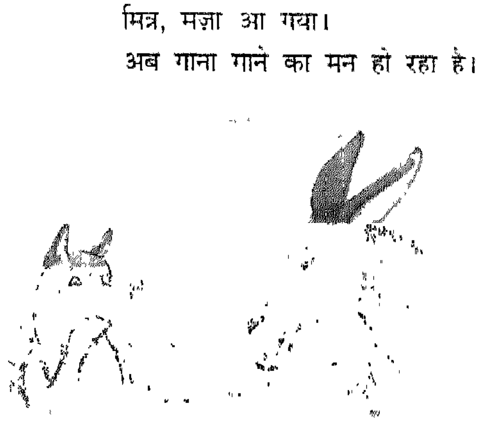
चाँदनी रात थी । द



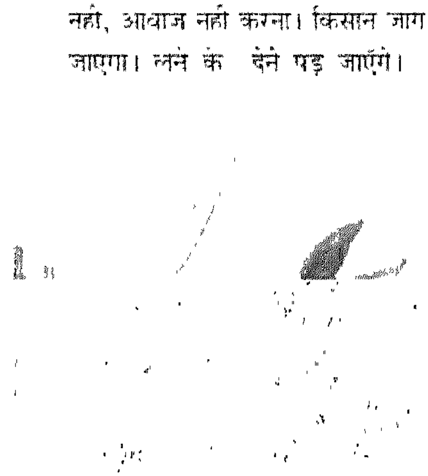
घूमते-घूमते वे ककड़ी के
खेत के पास पहुँचे।



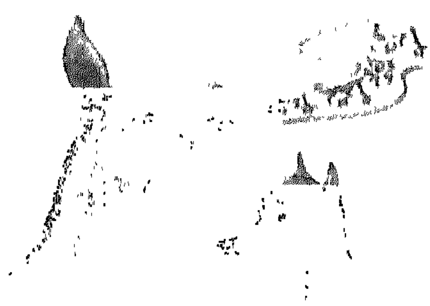
दोनों खेत में घु
ककड़ियाँ खाईं।



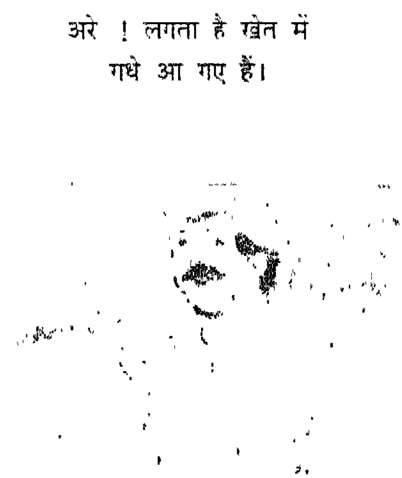
पेट भर गया तो गधा बहुत प्रसन्न हुआ।



सियार ने गधे को समझाने की कोशिश की।



गधे ने सियार की बात नहीं मानी वह ज़ोर से गाने लगा।



किसान आवाज़ सुनकर जाग गया।



किसान लाठी लेकर भागा आया।



चतुर सियार किसान को देखकर भाग खड़ा हुआ लेकिन गधा मिल गया।

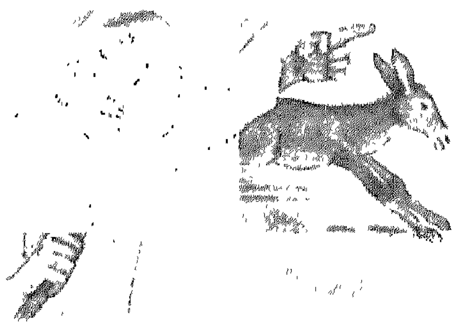


किसान ने गधे पर खूब डंडे बरसाए।

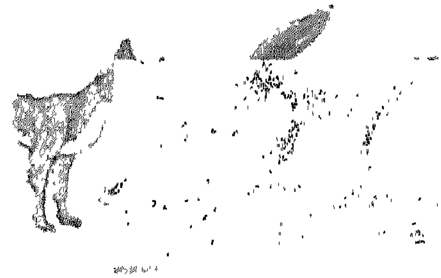
फिर खेत में घुसा तो जान से मार दूँगा। कम्बख्त !



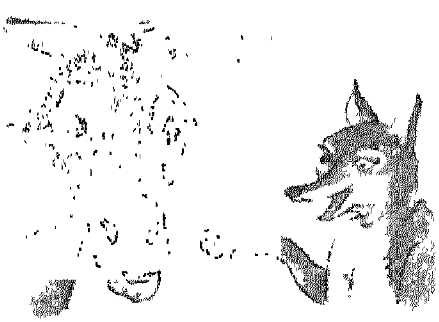
बेचारा गधा मार खाता रहा।
दूर खड़ा सियार यह देखता रहा।



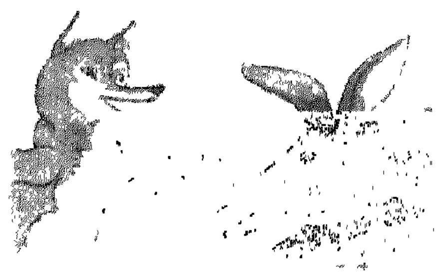
किसान ने गधे को मार-मारकर
खेत से बाहर खदेड़ दिया।



गधा नीचे पड़ा-पड़ा कराह रहा था।
सियार उसके पास आया।



सियार ने गधे को समझाया।



गधे ने अपनी सफ़ाई दी।



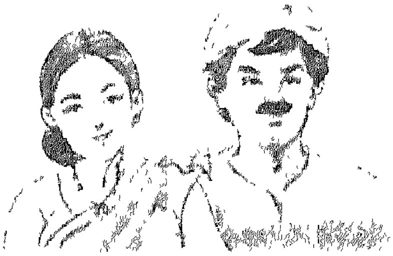
सियार ने उसे फिर समझाया।



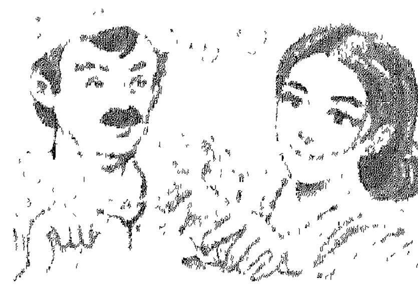
गधे की समझ में आया कि
दूसरों की सलाह माननी चाहिए।

सत्ताईसवाँ पाठ

अब पछताने से क्या होगा ?



किसी गाँव में एक दंपति थे।
उनकी कोई संतान नहीं थी।



इसलिए उन्होंने एक नेवले को पाला।
वे उसे बहुत प्यार करते थे।



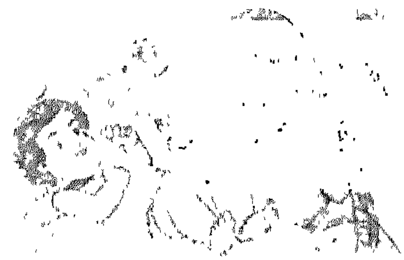
कुछ दिन बीते। उनके घर
पुत्र का जन्म हुआ।
दोनों पति-पत्नी बहुत खुश हुए।



स्त्री अपने बच्चे से बहुत प्यार करती
थी। वह अब नेवले पर कम ध्यान
देती थी।



नेवला भी उदास रहता था
स्त्री कहती थी कि यह मेरे
बेटे से जलता है।



पति कहता था -जलन कैसी ?
ये दोनों ही हमारे बेटे हैं।



एक दिन पत्नी घड़ा लेकर कुएँ
से पानी भरने गई।



जाते-जाते उसने पति से कहा
कि बच्चे का ध्यान रखे । कहीं
नेवला उसका नुकसान न कर दे।

अरे, मैं तो भूल ही गया था, मुझे भी बाहर जाना है।



थोड़ी देर हुई। पति को अचानक कुछ काम याद आया।

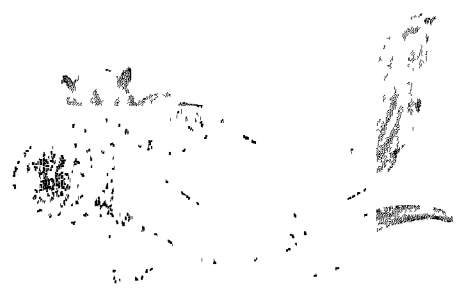
अपने भाई का ख्याल रखना, थोड़ी देर में वापस आना है।



उसने नेवले से कहा कि वह बच्चे का ध्यान रखे।

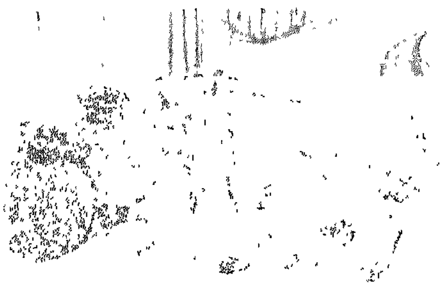


बच्चा पालने में सो रहा था। एक साँप पालने की तरफ बढ़ा।



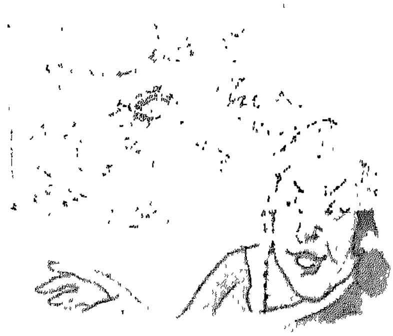
नेवले ने साँप को मार डाला।

मॉं कितनी खुश होगी, मैंने भाई
को बचा लिया।



नेवला घर से बाहर आकर स्त्री की प्रतीक्षा करने लगा। वह बड़ा खुश था।

अरे पापी। तूने मेरे बेटे
को काट खाया।

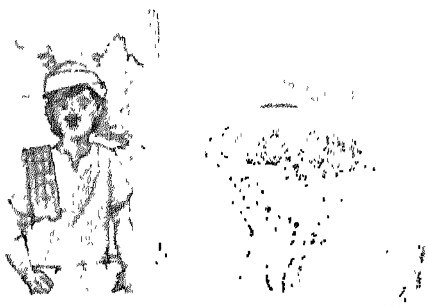


स्त्री ने नेवले के मुँह में खून देखा तो गुस्से में घड़ा फेंककर नेवले को मार डाला।

हाय! यह मैंने क्या कर दिया। नेवले ने
तो साँप को मारा था



वह घर में गई तो देखा कि साँप मरा पड़ा है। बच्चा सोया हुआ है।

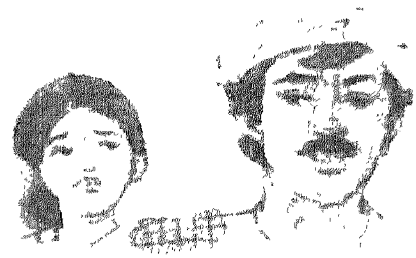


वह बैठी रोती रही, उसे बहुत दुःख हुआ तभी उसका पति अंदर आया।

मैंने तो सोचा था कि नेवले ने मेरे बेटे को काट लिया है। मुझसे बड़ी गलती हो गई।

कोई भी काम
सोच समझकर ही करना चाहिए।
बाद में पछताने से कुछ नहीं हो
सकता। अब नेवला जिंदा थोड़े ही
हो सकता है।





पत्नी ने पति को पूरा किस्सा सुनाया और कहा कि मुझसे बड़ी गलती हो गई।

पति ने उसे समझाया कि हर काम सोच-समझकर करना चाहिए।